www.bharatsamvad.live

R.N.I.No- MAHHIN/2017/74173

सत्य का स्वर

भारत संवाद

मुंबई, प्रयागराज और लखनऊ से प्रकाशित

सोशल मीडिया पर भारत संवाद
https://x.com/BharatSamvad
www.facebook.com/bharatsamvad.in
www.youtube.com/@BharatSamvad-m3n
E-Paper bharatsamvad.live

मौसम
अधिकतम तापमान 31.c
28.c न्यूनतम तापमान

बाजार
सोना 98.935g
चांदी 100,000kg

2 मानवता के लिए सबसे बड़ा खतरा बन गया है आतंकवाद

कोलंबिया – राष्ट्रपति उम्मीदवार को नाबालिग ने सिर में गोली मारी 04

वर्ष :08 | अंक :348 | मुंबई ,सोमवार , 09 जून 2025 | पृष्ठ : 06 | मूल्य : 2: 00 रुपए

संक्षिप्त समाचार

उत्तर प्रदेश के मैनपुरी में बोरवेल में गिरे पांच साल के बच्चे की मौत

मैनपुरी जिले के कुरावली क्षेत्र के एक गांव में खेलते समय 10 फुट गहरे बोरवेल में गिरे पांच साल के बच्चे की मौत हो गई। पुलिस ने रविवार को यह जानकारी दी। पुलिस ने बताया कि शुक्रवार रात अकबरपुर झाला गांव में अंश नाम का बच्चा इलाके से गुजर रही बारात को करीब से देखने की कोशिश में गलती से खुले बोरवेल में गिर गया जिससे उसकी गर्दन पर गहरा जख्म हो गया। उसने बताया कि ग्रामीणों ने बच्चे को किसी तरह बाहर निकाला और जिला अस्पताल पहुंचाया जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। बाद में परिवार के लोग बच्चे के शव को अपने पैतृक गांव ले गये। परिजन ने इस मामले में कोई औपचारिक शिकायत दर्ज नहीं कराई है। पुलिस ने बताया कि अंश अपने बड़े भाई चीकू (आठ) के साथ पिछले एक महीने से अकबरपुर झाला में अपने नाना-नानी के घर अपनी मां पूजा के साथ रह रहा था।

दिल्ली पुलिस ने 66 अवैध बांग्लादेशी नागरिकों को हिरासत में लिया, निर्वासन प्रक्रिया जारी

दिल्ली पुलिस ने शहर में कई वर्षों से अवैध रूप से रह रहे 66 बांग्लादेशी नागरिकों को शनिवार को हिरासत में लिया। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। अधिकारी ने बताया कि उत्तर-पश्चिम दिल्ली में बिना वैध दस्तावेजों के रह रहे इन लोगों को बांग्लादेश भेजने की प्रक्रिया चल रही है। पुलिस के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि इन विदेशी नागरिकों के खिलाफ कानूनी कार्रवाई और पहचान सत्यापन की प्रक्रिया विदेशी क्षेत्रीय पंजीकरण कार्यालय (एफआरआरओ) के साथ समन्वय में शुरू कर दी गई है। इन सभी लोगों ने अवैध रूप से भारत में प्रवेश किया था और वे वीजा एवं आप्रवासन नियमों का उल्लंघन कर रहे थे। अधिकारी ने कहा, एफआरआरओ इन सभी के निर्वासन से पहले कानूनी और दस्तावेज संबंधी औपचारिकताएं पूरी कर रहा है। सभी को नियमानुसार बांग्लादेश भेजा जाएगा।

मैं दिल्ली में रहता हूं लेकिन मेरे कान हमेशा तमिलनाडु पर हैं

डीएमके पर निशाना साधते हुए बोले अमित शाह

निशाना

संबोधन के शुरूआत में अमित शाह ने कहा कि मैं तमिलनाडु के पार्टी कार्यकर्ताओं से क्षमा मांगता हूं क्योंकि मैं उनसे भारत की महानतम भाषाओं में से एक तमिल में बात नहीं कर सकता।

एजेंसी

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने रविवार को तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एमके स्टालिन की पार्टी डीएमके पर तीखा हमला करते हुए कहा कि इसने अपने कार्यकाल के पिछले चार वर्षों में भ्रष्टाचार की सभी हदें पार कर दी हैं। रविवार को मदुरै में एक रैली को संबोधित करते हुए शाह ने यह भी संकल्प लिया कि भाजपा 2026 में पश्चिम बंगाल और तमिलनाडु में सरकार बनाने जा रही है। शाह ने पार्टी कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए आरोप लगाया कि डीएमके सरकार ने भ्रष्टाचार की सभी हदें पार कर दी हैं। उन्होंने केंद्र सरकार द्वारा मुहैया कराए गए 450 करोड़ रुपये के पोषण किट को एक निजी कंपनी को सौंपकर बहुत बड़ा घोटाला किया और गरीबों को भोजन से वंचित कर दिया। संबोधन के शुरूआत में अमित शाह ने कहा कि मैं तमिलनाडु के पार्टी कार्यकर्ताओं से क्षमा मांगता हूं क्योंकि मैं उनसे भारत की महानतम भाषाओं में से एक तमिल में बात नहीं कर सकता। उन्होंने आगे कहा कि 2026 में यहां भाजपा-एआईएडीएमके गठबंधन की एनडीए सरकार बनेगी।

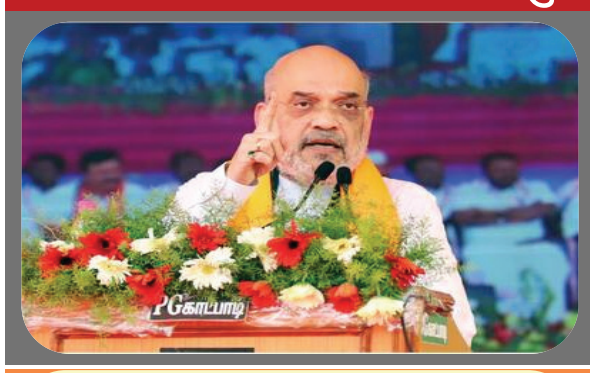

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने रविवार को तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एमके स्टालिन की पार्टी डीएमके पर तीखा हमला करते हुए कहा कि इसने अपने कार्यकाल के पिछले चार वर्षों में भ्रष्टाचार की सभी हदें पार कर दी हैं। रविवार को मदुरै में एक रैली को संबोधित करते हुए शाह ने यह भी संकल्प लिया कि भाजपा 2026 में पश्चिम बंगाल और तमिलनाडु में सरकार बनाने जा रही है। शाह ने पार्टी कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए आरोप लगाया कि तमिलनाडु की डीएमके सरकार ने भ्रष्टाचार की सभी हदें पार कर दी हैं।

पहलगाम आतंकी हमले को लेकर बोले केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह

कार्यकर्ता सम्मेलन के दौरान केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने पहलगाम आतंकी हमले और ऑपरेशन सिंदूर का भी जिक्र किया. उन्होंने कहा, पहलगाम में हमारे निर्दोष नागरिकों को आतंकवादियों ने धर्म पूछकर मारा था, लेकिन पीएम मोदी के नेतृत्व में हमने ऑपरेशन सिंदूर के माध्यम से आतंकियों को सही जवाब दिया. उन्होंने कहा, पीएम मोदी ने स्पष्ट कहा है कि ऑपरेशन सिंदूर अभी समाप्त नहीं हुआ है

धूल चेहरे पर थी और आप आईना साफ करते रहे...

राहुल गांधी के फिक्सिंग वाले बयान पर फडणवीस का पलटवार

एक मराठी दैनिक के लिए लिखे गए लेख में फडणवीस ने कहा कि जिसे जनता नकार देती है, वह जनादेश को नकार देता है। फडणवीस ने कहा कि अगर आप लोगों को मना नहीं सकते, तो उन्हें भ्रमित करें।

एजेंसी

महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने रविवार को कांग्रेस नेता राहुल गांधी पर कटाक्ष करते हुए कहा कि लोकसभा में विपक्ष के नेता ने अपने पूरे जीवन में यही गलती की है। पुणे में पत्रकारों से बात करते हुए फडणवीस ने गांधी पर काव्यात्मक कटाक्ष किया और कहा, ता-उम्र राहुल गांधी आप यही गलती करते रहे, धूल चेहरे पर थी और आप आईना साफ करते रहे। इससे पहले आज उन्होंने आरोपों को बकवास, झूठ और मतदाताओं का अपमान बताया।एक मराठी दैनिक के लिए लिखे गए लेख में फडणवीस ने कहा कि जिसे जनता नकार देती है, वह जनादेश को नकार देता है। फडणवीस ने कहा कि अगर आप लोगों को मना नहीं सकते, तो उन्हें भ्रमित करें। यही नीति राहुल गांधी अपना रहे हैं। उन्होंने आगे कहा कि कांग्रेस को लोगों ने नकार दिया है, यही वजह है कि वे अब इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीन (ईवीएम) को दोष देकर लोकतंत्र की छवि को धूमिल कर रहे हैं।उन्होंने कहा कि महाराष्ट्र में हर चुनाव में ईवीएम पर सवाल उठाना अब विपक्षी दलों की आदत बन गई है।

ईवीएम के खिलाफ सभी याचिकाएं सुप्रीम कोर्ट ने खारिज कर दी हैं। फडणवीस ने यह भी कहा कि गांधी एक ऐसे नेता हैं जो विफलता को स्वीकार नहीं कर सकते। उन्होंने पूछा, क्या कांग्रेस सरकार जिन चुनावों में जीतती है, उनमें ईवीएम सही हैं? उन्होंने कहा, जनादेश का सम्मान करें। जनता सब पर नजर रख रही है। अब बहाने नहीं चलेंगे और जवाबदेही तय होगी।

एनडीए सरकार ने 11 वर्षों में महिला-नेतृत्व वाले विकास को नए सिरे से परिभाषित किया: पीएम मोदी

पीएम मोदी ने 11 वर्षों के कार्यकाल में महिलाओं के लिए चलाई जा रही कई जनकल्याणकारी योजनाओं के बारे में बनाया वीडियो

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने अपनी सरकार के तीसरे कार्यकाल का एक साल पूरे होने से एक दिन पहले रविवार को कहा कि सत्तारूढ़ भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के नेतृत्व वाले राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) ने अपने 11 साल के कार्यकाल में महिला नीत विकास को पुनः परिभाषित किया है।

एजेंसी

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि पिछले 11 वर्षों के दौरान भाजपा के नेतृत्व वाली एनडीए सरकार की कई पहलों ने किसानों की समृद्धि को बढ़ावा दिया है और कृषि के परिवर्तन को सुनिश्चित किया है, उन्होंने अपनी सरकार के किसान समर्थक कार्यक्रमों के दूरगामी प्रभाव को रेखांकित किया।अपनी सरकार के तीसरे कार्यकाल की पहली वर्षगांठ मनाने से एक दिन पहले, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने रविवार (8 जून, 2025) को कहा कि सत्तारूढ़ भाजपा के नेतृत्व वाले राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन ने अपने 11 वर्षों के कार्यकाल में महिलाओं के नेतृत्व वाले विकास को फिर से परिभाषित किया है। नरेन्द्र मोदी ने शनिवार को कहा कि उनके कार्यकाल के पिछले 11 वर्षों के दौरान की गई

किसानों के भविष्य को सुंदर और सुरक्षित बनाने की दिशा में काम कर रही डबल इंजन सरकार :सीएम योगी

उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने किसान सम्मान समारोह को संबोधित करते हुए कहा कि 2014 में एनडीए सरकार के सत्ता में आने के बाद किसान इस सरकार के एजेंडों में से एक बन गए। उत्तर प्रदेश सरकार ने बताया कि देश के 12 करोड़ किसानों को प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना का लाभ मिल रहा है।

एजेंसी

उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने रविवार को कहा कि राज्य में किसानों का भविष्य सुंदर और सुरक्षित बनाने की दिशा में डबल इंजन सरकार काम कर रही है। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने किसान सम्मान समारोह को संबोधित करते हुए कहा कि 2014 में एनडीए सरकार के सत्ता में आने के बाद किसान इस सरकार के एजेंडों में से एक बन गए। उत्तर प्रदेश सरकार ने बताया कि देश के 12 करोड़ किसानों को प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना का लाभ मिल रहा है।यह डबल इंजन की सरकार राज्य में अपने किसानों के भविष्य को सुंदर और सुरक्षित बनाने की दिशा में भी काम कर रही है। मुख्यमंत्री ने कहा कि 2017 में जब हमारी सरकार आई तो किसान आत्महत्या कर रहे थे। कहीं कोई सुविधा नहीं थी।2017 में जब हम आए तो सबसे पहले हमने 86 लाख किसानों के 36000 करोड़ रुपए के कर्जमाफी कार्यक्रम को आगे बढ़ाया।

योगी आदित्यनाथ ने कहा कि आपने 2014 में पहली बार देखा होगा कि अन्नदाता किसान भी किसी सरकार के राजनीतिक एजेंडे का हिस्सा बन सकता है। जब पीएम मोदी ने मृदा स्वास्थ्य कार्ड योजना शुरू की... मृदा स्वास्थ्य कार्ड के बाद प्रधानमंत्री कृषि सिंचाई योजना और फिर प्रधानमंत्री कृषि बीमा योजना लागू की गई और प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना लागू की गई। देश के 12 करोड़ किसानों को प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना का लाभ मिल रहा है।

ऑपरेशन सिंदूर पर राजनीति कर रहे हैं कांग्रेस नेता

केंद्रीय मंत्री अनुप्रिया पटेल का आरोप

पत्रकारों से बात करते हुए पटेल ने कहा कि ऑपरेशन सिंदूर देश की सुरक्षा और सम्मान से जुड़ा मामला है। कांग्रेस नेता इस विषय पर बेवजह राजनीति कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि हाल ही में जब भारत का संसदीय प्रतिनिधिमंडल विदेशी देशों के दौरे पर गया तो उन्हें आतंकवाद के खिलाफ भारत के रुख के लिए व्यापक समर्थन मिला।

एजेंसी

केंद्रीय मंत्री अनुप्रिया पटेल ने रविवार को ऑपरेशन सिंदूर पर कथित तौर पर राजनीति करने के लिए कांग्रेस नेताओं की कड़ी आलोचना की और कहा कि यह मुद्दा देश की सुरक्षा और सम्मान से जुड़ा है और इसका राजनीतिकरण नहीं किया जाना चाहिए। पत्रकारों से बात करते हुए पटेल ने कहा कि ऑपरेशन सिंदूर देश की सुरक्षा और सम्मान से जुड़ा मामला है। कांग्रेस नेता इस विषय पर बेवजह राजनीति कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि हाल ही में जब भारत का संसदीय प्रतिनिधिमंडल विदेशी देशों के दौरे पर गया तो उन्हें आतंकवाद के खिलाफ भारत के रुख के लिए व्यापक समर्थन मिला।अनुप्रिया पटेल ने कहा कि जिन देशों में हमारे सांसदों का प्रतिनिधिमंडल गया, उन्होंने न केवल आतंकवाद के खिलाफ भारत की नीति की सराहना की है।

मणिपुर में हिंसक प्रदर्शन के बाद पांच जिलों में कर्फ्यू

इंटरनेट और मोबाइल डेटा सेवा सस्पेंड

मणिपुर में प्रदर्शनकारियों ने खुद पर पेट्रोल डाला: मैतेई लीडर की गिरफ्तारी के विरोध में गाड़ियां फूंकीं, पथराव किया; इंफाल समेत 5 जिलों में इंटरनेट बंद

एजेंसी

इंफाल : मणिपुर में मैतेई नेता की गिरफ्तारी के बाद पांच जिलों में अनिश्चित काल के लिए कर्फ्यू लगा दिया गया है. साथ ही इन जिलों में पांच दिनों तक के लिए इंटरनेट और मोबाइल डेटा सेवाओं को सस्पेंड कर दिया गया है.इस बारे में अधिकारियों ने बताया कि मणिपुर में मैतेई संगठन के नेता अरम्बाई तेंगोल के एक नेता और चार सदस्यों की गिरफ्तारी के बाद हुए हिंसक विरोध प्रदर्शन के बाद यह निर्णय लिया गया.वर्तमान हालात को देखते हुए भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता की धारा 163 के तहत इंफाल घाटी के पांच जिलों - इंफाल पश्चिम, इंफाल पूर्व, थौबल, बिष्णुपुर और काकचिंग में अनिश्चितकालीन कर्फ्यू लगा दिया गया है.इसके बाद से ही मैतेई समुदाय के लोगों की आबादी वाले इन पांचों जिलों में पांच या उससे अधिक संख्या में लोगों के इकट्ठा होने के अलावा डंडा, पत्थर या फायर आर्म्स आदि को लेकर चलने पर रोक लगा दी गई है.इस संबंध में मणिपुर के आयुक्त सह सचिव (गृह) एन अशोक कुमार ने अपने आदेश में कहा है कि मणिपुर में विशेषकर इंफाल पश्चिम, इंफाल पूर्व, थौबल, काकचिंग और बिष्णुपुर जिलों में कानून और व्यवस्था को देखते हुए आशंका है

बेंगलुरु भगदड़ : बेटे की कब्र पकड़कर रोया पिता

कहा- जिस जमीन को बेटे के लिए खरीदा, वहीं बनी उसकी कब्र

बेंगलुरु में हुई भगदड़ में जान गंवाने वाले भौमिक लक्ष्मण के पिता का रो-रोकर बुरा हाल है.

एजेंसी

हासन (कर्नाटक) : बेंगलुरु के चिन्नास्वामी स्टेडियम के बाहर रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु की जीत का जश्न मनाते समय हुई भगदड़ में 11 लोगों की मौत हो गई थी और 47 लोग घायल हो गए थे. लेकिन इस हादसे में जान गंवाने वाले परिवार के सामने आजीवन न भरने वाला जख्म मिल गया है. ऐसा ही एक मामला सामने आया है जिसमें एक पिता अपने बेटे की कब्र से लिपटकर रोते नजर आ रहा है. भावुक कर देने वाले इस दृश्य ने सभी को झकझोर दिया. बता दें कि भगदड़ में इंजीनियरिंग के स्टूडेंट भौमिक लक्ष्मण की इसमें मौत हो गई थी. वहीं भौमिक के पिता बीटी लक्ष्मण ने अपने बेटे का शव हासन गांव में दफनाया था.बेटे की मौत से आहत डीटी लक्ष्मण ने जमीन पर लेटकर कब्र से सिर लगाकर कहा, 'जो मेरे बेटे के साथ हुआ, वैसा किसी और के साथ ना हो

ऐलान

बिहार फर्स्ट-बिहारी फर्स्ट को लेकर भी भरी हुंकार

चुनाव लड़ने को लेकर चिराग पासवान का बड़ा ऐलान

एजेंसी

नयी दिल्ली। केंद्रीय मंत्री चिराग पासवान ने रविवार को कहा कि इस साल के अंत में होने वाले विधानसभा चुनाव में उन्हें किस सीट से चुनाव लड़ना चाहिए, यह बिहार की जनता को तय करना है।

खाद्य प्रसंस्करण उद्योग मंत्री पासवान ने भोजपुर जिले के आरा में एक रैली में यह बयान दिया, जहां उनकी पार्टी लोक जनशक्ति पार्टी (रामविलास) ने चुनावी बिगुल फूंका। बिहार के भोजपुर में एक जनसभा को संबोधित करते हुए चिराग पासवान ने कहा कि मैं बिहार से नहीं बल्कि बिहार के लिए चुनाव लड़ूंगा। मैं यह फैसला आप पर छोड़ता हूं। आप तय करें कि मुझे बिहार विधानसभा चुनाव लड़ना चाहिए या नहीं और किस सीट से। मैं आपके फैसले का पालन करूंगा। उन्होंने कहा, मैं बिहार में विधानसभा चुनाव लड़ूंगा। मैं सिर्फ बिहार में ही नहीं बल्कि बिहार और उसके लोगों के लिए चुनाव लड़ूंगा। मैं रामविलास पासवान का बेटा हूं। मैं अपने पिता के सपनों को साकार करूंगा और बिहार को बदलने के लिए 'बिहार पहले, बिहारी पहले' के लिए काम करूंगा। उन्होंने कहा, बिहार के लोगों को तय करना है कि मुझे राज्य की किस सीट से विधानसभा चुनाव लड़ना चाहिए। जब ??भी मैं कोई राजनीतिक फैसला लेता हूं, तो मैं इसे राज्य और उसके लोगों के हित में लेता हूं। पासवान ने कहा कि उनकी पार्टी यह सुनिश्चित करने के लिए हर संभव प्रयास करेगी कि एनडीए विधानसभा चुनाव में भारी अंतर से जीत हासिल करे। उन्होंने कहा, मेरा गठबंधन केवल बिहार के लोगों के साथ है, मैं एनडीए को मजबूत बनाने के लिए सभी 243 सीटों पर चुनाव लड़ूंगा। मैं बिहार और राज्य के लोगों के लिए जिऊंगा और मरूंगा... राज्य के गौरव के लिए। पासवान ने यह भी स्पष्ट किया कि अनारक्षित निर्वाचन क्षेत्र से चुनाव लड़ने की उनकी योजना को उनकी मुख्यमंत्री बनने की महत्वाकांक्षा के रूप में नहीं देखा जाना चाहिए।

चिराग ने वादा किया कि बिहार को देश का नंबर-1 राज्य बनाकर रहेंगे. आगे कहा कि मेरे अपनों ने ही मुझे घर से बाहर निकाल दिया था. तब यहां की जनता ने ही मेरा साथ दिया. बिहार की जनता ही मेरा परिवार है, ऐसे में अब यह फैसला भी बिहार की जनता को ही लेना है कि मैं कहां से विधानसभा चुनाव लड़ूं. यह भी आप पर ही छोड़ता हूं. आप जहां से बोलेंगे मैं वहां से बिहार विधानसभा चुनाव लड़ूंगा और आपके क्षेत्र का विधायक बनूंगा।

बिहार के भोजपुर में एक जनसभा को संबोधित करते हुए चिराग पासवान ने कहा कि मैं बिहार से नहीं बल्कि बिहार के लिए चुनाव लड़ूंगा। मैं यह फैसला आप पर छोड़ता हूं। आप तय करें कि मुझे बिहार विधानसभा चुनाव लड़ना चाहिए या नहीं और किस सीट से। मैं आपके फैसले का पालन करूंगा।

उत्तर प्रदेश में कांग्रेस अकेले अपने दम पर लड़ेगी पंचायत चुनाव: अजय राय

सिराथू में उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य को मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने ही चुनाव हरवाया, इसकी मेरे पास जानकारी है। उन्होंने मौर्य को चुनाव जीतने के लिए सीट बदलने की सलाह दी।

एजेंसी

नयी दिल्ली। कांग्रेस की उतर प्रदेश इकाई के अध्यक्ष अजय राय ने कहा कि उनकी पार्टी आगामी पंचायत चुनाव अकेले अपने दम पर लडेगी। राय ने कहा कि हर बूथ पर कार्यकर्ताओं को मजबूत किया जायेगा और हमारे जितने भी बहादूर साथी हैं, उन्हें पचायत चुनाव में उम्मीदवार बनाया जाएगा। प्रदेश अध्यक्ष ने यह भी कहा ,जो साथी चुनाव जीतकर या ज्यादा से ज्यादा चुनाव जिताकर आयेंगे, उन्हे विधानसभा चुनाव मेंमौका दिया जाएगा। यहां स्थानीय सांसद इमरान मसूद के आवास पर पत्रकारों से बातचीत करते हुए राय ने कहा , हमारा कार्यकर्ता प्रदेश के बूथ पर काम करता है, जिले में और ब्लाक में काम करता है, उसे हम ताकतवर बनायेंगे। उन्होंने कहा कि पंचायत चुनाव में ताकत दिखाने के बाद आगे की रणनीति राष्टीय नेतृत्व तय करेगा। उन्होने कहा, आज मैं अपने लोकप्रिय सांसद बहादूर साथी इमरान मसूद जी को इद उल अजहा की दिली मुबारकबाद देने और उनकी मंगलकामना के लिये आया हूं। प्रदेश अध्यक्ष ने कहा, हमें अपनी ताकत को और बढाना है अभी राहुल जी को लेकर प्रदेश में छह सांसद हैं और दो विधायक हैं,हमें और ताकत बढानी है।

सम्पादकीय

निर्धनता से मुक्ति, गरीबी का निवारण बड़ी सफलता

विश्व बैंक की रपट के अनुसार भारत में 2011 से 2023 के बीच 17 करोड़ से अधिक लोग अति निर्धनता से मुक्त हुए जो मोदी सरकार की उपलब्धि है। सरकार की योजनाओं जैसे जन-धन योजना ने गरीबों को आर्थिक सहायता पहुंचाई और भ्रष्टाचार कम किया। उज्ज्वला योजना और मुफ्त अन्न योजना ने भी निर्धनता निवारण में मदद की।विश्व बैंक की यह रपट मोदी सरकार की एक और उपलब्धि रेखांकित करने के साथ निर्धनता निवारण के प्रयत्नों की सफलता की कहानी भी कहती है कि भारत में 2011 से 2023 के बीच करीब 27 करोड़ लोग अति निर्धनता से मुक्त हुए।इतनी तो कई देशों की कुल आबादी भी नहीं है। ऐसा नहीं है कि पहले की सरकारों ने लोगों को गरीबी रेखा से बाहर निकालने के प्रयत्न नहीं किए। उन्होंने किए और वे कुछ हद तक सफल भी रहीं। यह रपट इसकी ओर संकेत भी करती है, लेकिन यह भी स्पष्ट है कि 2014 से 2023 का कालखंड गरीबों के आर्थिक उत्थान में कहीं अधिक सहायक बना।इसके कुछ ठोस कारण हैं।मोदी सरकार ने आर्थिक रूप से कमजोर लोगों को संबल देने और उन्हें आत्मनिर्भर बनाने के लिए जो अनेक योजनाएं चलाईं, उनका क्रियान्वयन कहीं बेहतर तरीके से किया गया। जैसे जन-धन योजना।इस योजना के चलते करोड़ों लोग बैंकों से जुड़े। प्रारंभ में इस योजना का यह कहकर उपहास उड़ाया गया कि जब गरीब के पास पैसा ही नहीं तो वह बैंक खाता खोलकर क्या करेगा, लेकिन यही बैंक खाते डीबीटी के जरिये सब्सिडी एवं अन्य वित्तीय सहायता सीधे गरीबों तक पहुंचाने का जरिया बने। इससे गरीबों को उनके हिस्से का पूरा पैसा मिला और भ्रष्टाचार पर भी लगाम लगा। इसी के साथ लोग बैंकों की महत्ता से परिचित हुए और उन्हें मुद्रा सरीखी योजनाओं के तहत लोन लेने में भी आसानी हुई।इससे वे अपना काम-धंधा आसानी से आगे बढ़ा सके।निःसंदेह जनकल्याण की अनेक योजनाओं ने भी करोड़ों लोगों को निर्धनता की खाई से बाहर निकालने में मदद की। उज्ज्वला रसोई गैस, पीएम आवास जैसी अनेक योजनाओं के साथ करोड़ों परिवारों को मुफ्त एवं रियायती अन्न देने की योजना ने निर्धन वर्ग को बड़ा सहारा दिया। यह उत्साहजनक है कि अत्यधिक गरीबी दर घटकर 5.3 प्रतिशत रह गई है। जहां ग्रामीण क्षेत्रों में अत्यधिक गरीबी 18.4 प्रतिशत से घटकर 2.8 प्रतिशत हुई, वहीं शहरी क्षेत्रों में 10.7 प्रतिशत से घटकर 1.1 प्रतिशत।इस सबके बावजूद इसकी अनदेखी भी नहीं की जानी चाहिए कि जहां करीब 27 करोड़ लोगों को अति निर्धनता से छुटकारा मिला, वहीं करीब साढ़े पांच करोड़ लोग ऐसे हैं, जो तीन डालर प्रतिदिन से कम पर जीवनयापन कर रहे हैं।साफ है कि निर्धनता निवारण के प्रयासों पर जोर देना जारी रखना होगा।

आज का विचार

राशिफल

मेष राशि: आपके लिए खर्चों भरा रहने वाला है. परिवार के सदस्य और दोस्तों के साथ आप किसी पार्टी को करने की योजना बना सकते हैं. प्रेम जीवन जी रहे लोग साथी के साथ किसी रोमांटिक डिनर डेट को प्लान कर सकते हैं.

वृष राशि: आपके लिए तरक्की दिलाने वाला रहेगा. आपके अंदर एक्स्ट्रा एनर्जी रहने के कारण आप उसे किसी काम को निपटाने में लगाएं, नहीं तो समस्या हो सकती है. यदि आपने गुस्से से कोई निर्णय लिया, तो इसमे आपको किसी समस्या का सामना करना पड़ सकता है. आपकी नौकरी में यदि कुछ समस्या आ रही थी

मिथुन राशि: आपके लिए कुछ तनावग्रस्त रहने वाला है. संतान के करियर को लेकर थोड़ा परेशान रहेंगे और कार्यक्षेत्र में आपके ऊपर काम का बोझ बढ़ सकता है. आप अपने कामों में लापरवाही बिल्कुल ना बरतें, नहीं तो आपको समस्या हो सकती है. आपकी अपने किसी मित्र से पुराने समय बाद मुलाकात होगी.

कर्क राशि: आपके लिए समस्याओं से भरा रहने वाला है. आपको अपने किसी परिवार के सदस्य की बात का बुरा लग सकता है. यदि आपको कोई शारीरिक कष्ट चल रहा है, तो उसमें सुधार हो सकता है, लेकिन आपकी आर्थिक स्थिति को लेकर आपके मन में चिंता बनी रहेगी, इसलिए आप अपने बढ़ते खर्चों पर लगाम लगाएं.

सिंह राशि: आपके लिए भागदौड़ भरा रहने वाला है. कार्यक्षेत्र में कोई ऐसी बात होगी, जिससे आपके मान सम्मान को ठेस पहुंच सकती है, जिसके बाद आप परेशान रहेंगे. व्यापार कर रहे लोगों के लिए दिन अच्छा रहने वाला है.

कन्या राशि: आपके लिए मिश्रित रूप से फलदायक रहने वाला है. आप अपने रुके हुए कार्यों को लेकर थोड़ा परेशान रहेंगे, जिनके लिए आप अपने मित्रों से बातचीत कर सकते हैं. कार्यक्षेत्र में आपके साथ कोई धोखा कर सकता है, जिनसे आपको सावधान रहना होगा और आप अपने से ज्यादा औरों के कामों पर ध्यान लगाएंगे, जिससे आपको समस्या हो सकती है.

तुला राशि : आपके लिए सामान्य रहने वाला है. गृहस्थ जीवन जी रहे लोग अपने साथी के साथ कुछ समय अकेले में व्यतीत करेंगे और उनके मन की बातों को जानेंगे व समझेंगे. आपको शीघ्रगामी वाहनों के प्रयोग से सावधानी बरतनी होगी, नहीं तो किसी दुर्घटना के होने का भय सता रहा है.

वृश्चिक राशि: आपके लिए किसी नए काम की शुरूआत करने के लिए बेहतर रहने वाला है, लेकिन आप साझेदारी में किसी काम की शुरूआत ना करें, नहीं तो समस्या हो सकती है. जीवनसाथी की सलाह आपके लिए कारगर सिद्ध होगी.

धनु राशि: आपके लिए प्रसन्नता दिलाने वाला रहेगा. यदि आप किसी नये बिजनेस की शुरूआत करना चाहते हैं, तो उसके लिए दिन बेहतर रहने वाला है. जीवनसाथी के साथ आप लॉन्ग ड्राइव पर जाने की योजना बनाएंगे और उनके साथ चल रहे वाद विवाद को समाप्त करेंगे.

मकर राशि : आपके लिए बाकी दिनों की तुलना में बेहतर रहने वाला है. आप कुछ घरेलू मुद्दों को लेकर परेशान रहेंगे, जिनके लिए आप किसी बाहरी व्यक्ति से सलाह मशवरा ना करें। यदि आप किसी बड़े निवेश की योजना बना रहे थे, तो उसमें आप दिल खोलकर निवेश सकते हैं.

कुंभ राशि : कर रहे लोगों के लिए कुछ समस्याओं भरा रहेगा, उनके कुछ कामों में उनके साथी विघ्न डाल सकते हैं, जिससे वह परेशान रहेंगे और आपको अपने घर परिवार में किसी नए मेहमान के आने के संकेत मिल सकते हैं

मीन राशि : विद्यार्थियों के लिए अच्छा रहने वाला है. यदि उन्होंने किसी परीक्षा को दिया था, तो उसके परिणाम आ सकते हैं, जिससे उन्हें प्रसन्नता होगी. सरकारी नौकरी में कार्यरत लोगों को अच्छा लाभ मिल सकता है.

ज्योतिष सेवा केन्द्र
ज्योतिषाचार्य पंडित अतुल शास्त्री

मानवता के लिए सबसे बड़ा खतरा बन गया है आतंकवाद

> **रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने कहा है कि आतंकवाद आज दुनिया के सामने सबसे बड़ी चुनौती है जो मानवता और शांति का शत्रु है। पाकिस्तान द्वारा प्रायोजित आतंकवाद का भारत दशकों से शिकार रहा है। हमारी सरकार आतंकवाद के खिलाफ जीरो टॉलरेंस की नीति पर चल रही है। भारत ने आतंक के खिलाफ लड़ाई में पूरी दुनिया के सामने मिसाल पेश की है।**

पा आज आतंकवाद पूरी दुनिया के सामने सबसे बड़ी चुनौती बनकर खड़ा है। यह मानवता, शांति, सह-अस्तित्व, विकास और लोकतंत्र जैसे मूल्यों का शत्रु है। आतंकवाद एक ऐसी कट्टर सोच का परिणाम है जो सिर्फ. विनाश, भय और नफरत को जन्म देती है। यह न तो कोई समाधान है, न ही किसी बदलाव का माध्यम बन सकता है। इतिहास इस बात का साक्षी है कि आतंकवाद ने कभी कोई स्थायी या सार्थक परिणाम नहीं दिया है। आतंकवाद सस्ती लोकप्रियता प्राप्त करने के लिए विध्वंसक आडम्बर मात्र है क यह सोचना भी एक भ्रम है कि कोई आतंकवादी किसी का स्वतंत्रता सेनानी हो सकता है। कोई भी धार्मिक, वैचारिक या राजनीतिक कारण आतंकवाद को जायज नहीं ठहरा सकता। आतंकवाद की कोख से क्रांति नहीं, बल्कि सिर्फ.घृणा, बबार्दी और हताशा जन्म लेते हैं। एक सच्चा और मानवीय उद्देश्य कभी भी खून-खराबे और हिंसा के बल पर हासिल नहीं किया जा सकता। हमारे सामने जितनी भी प्राकृतिक आपदाएं और महामारियां आईं, वे समय के साथ समाप्त हो गई, लेकिन आतंकवाद एक ऐसी महामारी है जो अपने आप खत्म नहीं होगी। इसके खात्मे के लिए ठोस और सामूहिक प्रयास जरूरी हैं। जब तक इसका अस्तित्व रहेगा, यह समाज, विकास और संसाधनों को नुकसान पहुंचाता रहेगा। भारत ने आतंकवाद के खिलाफ लड़ाई में पूरी दुनिया के सामने मिसाल पेश की है। द्वारा प्रायोजित आतंकवाद का भारत दशकों से शिकार रहा है। हाल ही में पहलगाम में जो हमला हुआ, उसमें बेगुनाह पर्यटकों को केवल उनके धर्म के आधार पर मारा गया। यह क्रूरता और बर्बरता की पराकाष्ठा थी। इस हमले का मकसद भारत की एकता को तोड़ना और देश में डर फैलाना था, लेकिन ऐसी कोशिशें हमेशा असफल ही साबित होती हैं। यह सच है कि कोई भी मजहब निदोर्षों की हत्या को उचित नहीं ठहरा सकता। आतंकवादी केवल धर्म का नाम लेकर अपने कुकर्मों को वैधता देने की कोशिश करते हैं। अब हमारी नीति है कि आतंकवादी जहाँ भी हैं हम उन्हें समाप्त करने से नहीं हिचकेंगे। साथ ही आतंकवाद को प्रायोजित करने वाली सरकार और आतंकवाद के मास्टरमाइंड के बीच अंतर किए बिना मुंहतोड़ जवाब देंगे।भारत अब पहले की तरह केवल प्रतिक्रिया करने वाला देश नहीं रहा। हमारी नीति में मौलिक परिवर्तन आया है। अब हम आतंकवाद के खिलाफ 'जीरो टॉलरेंस' नीति पर चलते हैं। 2016 की सर्जिकल स्ट्राइक, 2019 की बालाकोट एयर स्ट्राइक और 2025 का ऑपरेशन सिंदूर—ये सभी कदम इस नई नीति का प्रमाण हैं। भारत ने यह साफ कर दिया है कि वह आतंकवादी जहां भी होंगे, उन्हें खत्म करने से पीछे नहीं हटेगा। अब हम यह भेद भी नहीं करते कि आतंकवादी राज्य प्रायोजित हैं या किसी संगठन से जुड़े हैं। जो देश आतंकवाद को समर्थन देते हैं, उन्हें भी अब सीधा जवाब दिया जा रहा है। नई दिल्ली में आयोजित ह्यनो मनी फॉर टेररह्व सम्मेलन में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी ने अपने संबोधन में यह स्पष्ट कर दिया कि भारत आतंकवाद के किसी भी स्वरूप को सहन नहीं करेगा। उन्होंने कहा, ₹हम एक अकेले हमले को भी कई हमलों के समान मानते हैं। एक जनहानि भी अनेक जनहानियों के बराबर है। जब तक आतंकवाद का समूल नाश नहीं हो जाता, भारत शांत नहीं बैठेगा।₹ इस वक्तव्य के माध्यम से भारत की नीति की गंभीरता और दृढ़ता एक बार फिर सामने आई है। ऑपरेशन सिंदूर द्वारा भारत ने न केवल आतंकवादियों के विरुद्ध कठोर कार्यवाही की, बल्कि यह भी दिखा दिया कि भारतीय सशस्त्र बल और सरकार आतंकवाद के सम्पूर्ण उन्मूलन के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध हैं।हालांकि, आतंकवादियों का सफाया और उनके शिविरों को नष्ट करना एक आवश्यक कदम है, लेकिन यह पर्याप्त नहीं है। आतंकवाद को समाप्त करने के लिए उस पूरे नेटवर्क को ध्वस्त करना होगा, जो इन्हें आर्थिक, वैचारिक और राजनीतिक समर्थन प्रदान करता है। जब तक उस संरचना को जड़ से नहीं उखाड़ा जाएगा, तब तक यह समस्या लौट-लौट कर सामने आती रहेगी। भारत ने अंतरराष्ट्रीय मंचों पर उन राष्ट्रों का भी खुलासा किया है जो आतंकवाद को रणनीतिक उपकरण की तरह इस्तेमाल करते हैं। पाकिस्तान इसका सबसे प्रमुख उदाहरण है। भारत ने सिंधु जल संधि को स्थगित कर यह स्पष्ट संदेश दिया है कि जब तक पाकिस्तान आतंकवाद को प्रायोजित करता रहेगा, तब तक उसे आर्थिक या कूटनीतिक लाभ नहीं मिलेगा। यह निर्णय पाकिस्तान को आर्थिक रूप से भी आघात पहुंचाने वाला है, क्योंकि सिंधु नदी प्रणाली उसकी अर्थव्यवस्था में महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाती है।आतंकवाद किसी एक देश की समस्या नहीं, बल्कि एक अंतरराष्ट्रीय संकट है। वैश्विक आतंकवाद सूचकांक के अनुसार, हाल के वर्षों में आतंकवादी घटनाओं से प्रभावित देशों की संख्या में तेजी से वृद्धि हुई है। यह एक ऐसा वायरस है जो न सीमाओं की परवाह करता है और न ही धर्म, भाषा या संस्कृति की। यह पूरे विश्व की शांति और स्थिरता के लिए गंभीर खतरा है। ऐसे में, समय की मांग है कि वैश्विक समुदाय सभी प्रकार के मतभेदों और राजनीतिक स्वार्थों को एक ओर रख कर आतंकवाद के विरुद्ध एकजुट होकर कार्य करे। कोई भी रणनीतिक गठबंधन या राजनीतिक झुकाव इस वैश्विक लड़ाई की दिशा और प्रभाव को कमजोर नहीं करना चाहिए।इस लड़ाई में पहला और सबसे बुनियादी कदम आतंकवाद की एक सर्वस्वीकृत और व्यावहारिक परिभाषा तय करना होगा। भारत ने संयुक्त राष्ट्र संघ के समक्ष ह्यअंतर्राष्ट्रीय आतंकवाद पर व्यापक सम्मेलनह्व के माध्यम से इस दिशा में प्रयास किया है, किंतु अब तक कोई सर्वसम्मति नहीं बन पाई है। इस स्पष्टपरिभाषा के अभाव में आतंकवादी हमलों की जांच, कानूनी कार्रवाई और अभियुक्तों के प्रत्यर्पण जैसी प्रक्रियाएं बाधित होती हैं।इसलिए यह आवश्यक है कि वैश्विक समुदाय शीघ्र एक स्पष्ट परिभाषा तय करे ताकि आतंकवाद के विरुद्ध कार्रवाई प्रभावी और न्यायपूर्ण हो सके।, केवल आतंकी संगठनों को निशाना बनाना पर्याप्त नहीं है। उन देशों की आर्थिक व्यवस्था को भी प्रभावित करना होगा जो प्रत्यक्ष या परोक्ष रूप से आतंकवाद को प्रायोजित करते हैं। पाकिस्तान इसका स्पष्ट उदाहरण है। अंतरराष्ट्रीय वित्तीय संस्थानों को यह समझना होगा कि पाकिस्तान को दिए जाने वाले बेलआउट पैकेज और ऋण किस प्रकार सीमापार आतंकवाद के पोषण में खर्च होते हैं। भारत ने कटऋ में दिए गए बयान में यह उजागर किया है कि आतंकवाद को समर्थन देने वाले देश को बार-बार आर्थिक सहायता देना न केवल गलत संदेश देता है, बल्कि वैश्विक मूल्यों की अवहेलना भी करता है। यह न केवल वित्तीय एजेंसियों की साख पर प्रश्नचिह्न खड़ा करता है, बल्कि ऐसे देशों के लिए एक तरह का प्रोत्साहन भी बन जाता है। जब तक पाकिस्तान अपने आतंकी नेटवर्क को पूर्णतः और ईमानदारी से समाप्त नहीं करता, तब तक उसे किसी भी प्रकार की वित्तीय सहायता नहीं दी जानी चाहिए। तीसरा, ऑपरेशन सिंदूर के पश्चात यह तथ्य और स्पष्ट हो गया है कि पाकिस्तान में स्टेट और नान-स्टेट ऐक्टर्स की गतिविधियों में कोई विभाजन रेखा नहीं बची है। यह तथ्य तब और भी पुष्ट होता है जब लश्कर-ए-तैयबा और जैश-ए-मोहम्मद (खीट) जैसे संगठनों के आतंकवादियों को राज्य के अधिकारियों द्वारा सम्मान के साथ अंतिम संस्कार दिया जाता है। एक ऐसा देश, जिसके सैन्य अधिकारी अंतरराष्ट्रीय स्तर पर नामित आतंकियों की अंत्येष्टि में भाग लेते हों, उससे आतंकवाद के विरुद्ध सहयोग की अपेक्षा करना भोलापन होगा। इसके अतिरिक्त, यह खतरा भी लगातार बना हुआ है कि पाकिस्तान में परमाणु हथियारों की सुरक्षा कमजोर पड़ सकती है और वे नान-स्टेट ऐक्टर्स के हाथों में पहुंच सकते हैं। यह समस्त मानवता के लिए अत्यंत गंभीर खतरा है। अतः यह आवश्यक है कि पाकिस्तान के परमाणु कार्यक्रम को अंतरराष्ट्रीय परमाणु ऊर्जा एजेंसी की निगरानी में लाया जाए।चौथा, प्रॉक्सी युद्ध की चुनौती भी उतनी ही खतरनाक है।कुछ देश अपने मित्र राष्ट्रों की आड़ में अपने पड़ोसी देशों में अस्थिरता फैलाते हैं, और जब तक इस प्रवृत्ति को सार्वजनिक रूप से उजागर नहीं किया जाएगा, तब तक यह सिलसिला चलता रहेगा। आतंकी हमलों पर अंतरराष्ट्रीय प्रतिक्रिया किसी विशेष स्थान या पीड़ितों की राष्ट्रीयता पर आधारित नहीं होनी चाहिए।जब देश अपने हितों के अनुसार यह तय करते हैं कि किस हमले की निंदा करनी है और किसे अनदेखा करना है, तब यह आतंकवाद के विरुद्ध सामूहिक प्रयासों को कमजोर करता है और अप्रत्यक्ष रूप से आतंकियों को वैधता प्रदान करता है।पांचवां, पाकिस्तान में मौजूद आतंकवादी संगठनों के सुरक्षित ठिकानों का प्रभाव केवल दक्षिण एशिया तक सीमित नहीं है।

भीड़,भगदड़ और मौतें, आखिर जिम्मेदार कौन?

(मनोज कुमार अग्रवाल)

आईपीएल में रॉयल चैलेंजर्स बैंगलोर की ऐतिहासिक जीत के जश्न में अचानक यमराज की एन्ट्री से रंग में भंग हो गया है।रॉयल चैलेंजर की जीत के जश्न के दौरान बेंगलुरु में भगदड़ से 11 लोगों की जान चली गई। इस पूरे मामले में रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु, भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड और कर्नाटक सरकार ने पल्ला झाड़ लिया था लेकिन अब इस मामले में कर्नाटक हाईकोर्ट ने एक्शन लिया है। इस दर्दनाक घटना पर स्वतः संज्ञान लेते हुए कर्नाटक हाईकोर्ट ने आरसीबी पर गैर इरादतन हत्या का केस दर्ज किया है। यह मामला कार्यवाहक मुख्य न्यायाधीश वी. कामेश्वर राव और न्यायमूर्ति सी.एम. जोशी की पीठ के समक्ष उठाया गया है।हाई कोर्ट ने जहां इस मामले में सरकार ने रिपोर्ट मांगी है तो वहीं उच्च न्यायालय में सुनवाई के दौरान सरकार का झूठ भी पकड़ा गया। कर्नाटक के डिप्टी सीएम डीके शिवकुमार ने दावा किया था कि कार्यक्रम की सुरक्षा के लिए 5000 पुलिसकर्मी तैनात थे।कर्नाटक सरकार ने कोर्ट में बताया कि आरसीबी के आईपीएल समारोह के दौरान 1,000 से अधिक पुलिसकर्मी तैनात किए गए थे। सरकार ने कोर्ट में बताया कि आरसीबी के खिलाफ एफआईआर दर्ज की गई है। बाद में कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्धारमैया ने आरसीबी,इवेंट मैनेजमेंट कंपनी डीएनए नेटवर्क्स और कर्नाटक स्टेट क्रिकेट एसोसिएशन के जिम्मेदार प्रतिनिधियों की गिरफ्तारी के आदेश देते हुए बेंगलुरु पुलिस कमिश्नर, अतिरिक्त आयुक्त, डीसीपी सेंट्रल, एसीपी और जहां यह घटना हुई उस थाने क्यूबन पार्क के इंस्पेक्टर को सस्पेंड कर दिया है। जीत के जश्न का भयावह हादसे में बदलना काफी कष्टदायक और रूह कंपाने वाली काफी दुःखद घटना है। चिन्नास्वामी स्टेडियम में मची भगदड़ में 11 से ज्यादा लोगों की जान चली गयी है और कई लोग घायल हुए हैं। क्रिकेट के प्रशंसक अपनी टीम की खुशी में शामिल होने के लिए पहुंचे थे, मगर इसमें से कुछ के परिवारों को ऐसी कष्ट और पीड़ा मिली है, जिसको वे जीवन भर नहीं भूल सकते हैं। दरअसल आईपीएल में पहली बार चैंपियन बनी आरसीबी की टीम की जीत की खुशी में जश्न का आयोजन किया गया। जैसे ही आरसीबी की जीत का जश्न मनाने के लिए विक्ट्री परेड की घोषणा हुई, उसके बाद लाखों की संख्या में प्रशंसक चिन्नास्वामी स्टेडियम के बाहर एकत्रित हो गए। जानकारी के अनुसार भगदड़ तब मची, जब हजारों प्रशंसक विभिन्न द्वारों से जल्दबाजी में स्टेडियम में प्रवेश करने का प्रयास कर रहे थे। बड़ी संख्या में पुलिसकर्मियों की मौजूदगी के बावजूद भारी भीड़ अनियंत्रित थी। खबर यह भी है कि भीड़ को नियंत्रित करने के लिए पुलिस के द्वारा लाठी चार्ज किया गया, जिससे भगदड़ मची। खबरों के अनुसार भीड़ काफी ज्यादा थी। अनुमान है कि करीब 3 लाख लोग इस जश्न में शामिल होने पहुंचे थे, जबकि स्टेडियम की कुल क्षमता सिर्फ 40,000 लोगों की है। देखा जाए तो ऐसे कार्यक्रम में भीड़ का उमड़ना स्वाभाविक ही है, क्योंकि अपने देश में क्रिकेट के प्रति दीवानगी किसी से नहीं छिपी नहीं है। हर उम्र के लोगों में क्रिकेट और क्रिकेटरों के लिए जैसी दीवानगी देखी जाती है, वैसी किसी और खेल और खिलाड़ियों के लिए मुश्किल है। अगर बात विराट कोहली की हो तो उनके चाहने वाले किसी भी हद तक गुजरने के लिए तैयार हो जाते हैं। आईपीएल में मिली इस जीत से कोहली के प्रशंसकों की खुशी चरम पर है, ऐसे में भीड़ का उमड़ना स्वाभाविक ही था। ऐसे में भगदड़ के इस पूरे मामले पर भीड़ नियंत्रण, आयोजन की तैयारियों और सुरक्षा इंतजामों को लेकर गंभीर सवाल उठने लाजमी है। कर्नाटक सरकार को पता होना चाहिए था कि ऐसे आयोजनों में क्रिकेट प्रेमियों की भारी भीड़ उमड़ेगी, ऐसे में भीड़ को नियंत्रित करने के लिए पुख्ता इंतजाम करने की जरूरत थी। देखा जाए तो अपने देश में भगदड़ एक त्रासदी बन चुकी है, चाहे वो धार्मिक आयोजन हो या फिर कोई अन्य कार्यक्रम, भगदड़ में लोगों की मौतों की खबरें आती ही रहती हैं। भगदड़ की ये घटनाएं बदइंतजामी का ही नतीजा है। भगदड़ की इन घटनाओं से शासन प्रशासन को सबक लेने की जरूरत होती है। किसी भी हादसे का सबसे बड़ा सबक यह होना चाहिए कि ऐसे उपाय किए जाएं, ताकि दोबारा उसी तरह के हालात पैदा न हों। मगर धार्मिक स्थलों पर या ऐसे आयोजनों में जमा होने वाली भीड़ और उसके प्रबंधन को लेकर अक्सर इस हद तक लापरवाही बरती जाती है कि बार-बार भगदड़ की वजह से लोगों की जान जाने की घटनाएं सामने आ रही हैं। चिन्नास्वामी स्टेडियम में हादसा भी बदइंतजामी का नतीजा है। यह आमतौर पर देखा गया है कि किसी खास आयोजन की तैयारी तो कर ली जाती है, लेकिन भीड़ नियंत्रण और प्रबंधन के उपाय पहले से नहीं किए जाते। भारत सबसे बड़ी आबादी वाला देश है, लेकिन इसका यह मतलब नहीं होना चाहिए कि यहां के लोग भीड़ वाले स्थानों में बदइंतजामी के कारण रह-रहकर मरते रहें। जब भी कहीं भीड़ भरे स्थलों में कोई हादसा होता है और उसमें लोग मारे जाते हैं तो घटना की जांच करने-कराने वालों से यही सुनने को मिलता है कि इस पर भी ध्यान दिया जाएगा कि भविष्य में इस तरह के हादसों को कैसे रोका जाए? ऐसा केवल सुनने को ही मिलता है, क्योंकि बार-बार वैसे ही हादसे होते रहते हैं, जैसे पहले हो चुके होते हैं। एक ऐसे समय जब देश को विकसित राष्ट्र बनाने की बातों के साथ इसके लिए प्रयत्न भी हो रहे हैं, तब फिर सार्वजनिक स्थलों में भीड़ नियंत्रण के उपाय प्राथमिकता के आधार पर किए जाने चाहिए। और सच तो यह है कि भीड़ नियंत्रण के नियम-कानून भी बने हुए हैं, लेकिन उनका पालन मुश्किल से होता है। अपने यहां नियम-कानूनों के उल्लंघन की प्रवृत्ति भी देखने को मिलती है, लेकिन इसका कारण केवल यह नहीं कि लोगों को उनकी परवाह नहीं होती, बल्कि यह भी है कि शासन-प्रशासन के स्तर पर उनके अनुपालन पर जोर नहीं दिया जाता।

प्रायः यह अनुपालन मनचाहे तरीके से होता है। अधिकतर देखा जाता है कि जब भी कोई भगदड़ मचती है और लोगों की जान जाती है, तो जांच कमेटी का गठन कर दिया जाता है और मुआवजे की घोषणा कर दी जाती है। कर्नाटक के सीएम सिद्धारमैया ने मृतकों के परिजनों को 10 लाख रुपए की सहायता राशि देने की घोषणा की है। साथ ही कहा कि घायलों का मुफ्त इलाज कराया जाएगा। मगर समझना होगा कि मुआवजे से किसी परिवार के दुःखों का अंत नहीं होता है। जिस किसी परिवार का कोई अपना मारा जाता है, तो उनको ताउम्र ऐसा दर्द मिलता है, जिसको लेकर उसको जीना पड़ता है। मानव प्राण अमूल्य होते हैं और इसकी रक्षा प्राथमिकता होनी चाहिए।

बच्चों के लिए मां के दूध के समान है मातृभाषा

विजय गर्ग

राष्ट्रीय शिक्षा नीति के अनुसरण में शैक्षणिक सत्र 2025-26 से पूर्व प्राथमिक से पांचवीं कक्षा तक मातृभाषा को शिक्षा का माध्यम बनाने की पहल कई दृष्टियों से महत्वपूर्ण है। मातृभाषा में शिक्षा मिलने से बच्चा आसानी से विषय को समझ पाता है। उसका आत्मविश्वास बढ़ता है। इस तरह मातृभाषा में प्राथमिक शिक्षा बच्चे के बौद्धिक विकास में सहायक होती है। मातृभाषा प्राथमिक शिक्षा का स्वाभाविक और सर्वाधिक समर्थ माध्यम है। बच्चे चूंकि मातृभाषा अथवा घर में बोली जाने वाली भाषा जल्द से जल्द सीख लेते हैं इसलिए शिक्षा के माध्यम को परिचित भाषा में ढालने में सहायता मिलती है और भाषा शिक्षण की पद्धति को वैज्ञानिक ढंग से लागू करने की राह सुगम होती है।

राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के अनुसरण में राष्ट्रीय पाठ्यचर्या ढांचा की सिफारिश के अनुसार कक्षा एक से पांच तक बच्चा अपनी मातृभाषा में पढ़ाई करेगा। इस दौरान वह अपनी पसंद के मुताबिक एक दूसरी भाषा भी पढ़ेगा। जब वह छठी कक्षा में जाएगा तो वह तीसरी भाषा पढ़ेगा। बुनियादी चरण में यानी पूर्व प्राथमिक से दूसरी कक्षा और आयु की दृष्टि से तीन से आठ वर्ष में पढ़ाई मातृभाषा में होनी है। इस चरण में बच्चे पहली भाषा यानी मातृभाषा में पढ़ना लिखना समझना सीखेंगे। दूसरी भाषा को महज मौखिक रूप से बच्चों से परिचित कराया जाना है। तीसरी से पांचवीं कक्षा की आयु यानी करीब 11 वर्ष तक के बच्चे दूसरे विषयों की पढ़ाई भी मातृभाषा में करेंगे। यदि छात्र मौखिक भाषा (दूसरी भाषा) में पर्याप्त दक्षता प्राप्त कर लेते हैं तो उन्हें परिवर्तन की अनुमति दी जा सकती है। एक बहुभाषिक देश होने के कारण भारत में भाषा-प्रयोग की दृष्टि से एक बड़ी चुनौती यह है कि ऐसी कई भाषाएं हैं जिनकी कोई अपनी लिपि नहीं है और वे अभी भी मौखिक रूप में ही प्रचलित हैं। इसीलिए जहां मातृभाषा में लेखन की परंपरा न हो, जहां कक्षा में भाषाई विविधता हो, वहां राष्ट्रीय शिक्षा नीति में परिवर्तन की छूट दी गई है। इससे मातृभाषा और बहुभाषावाद दोनों को बढ़ावा मिलेगा। इसे ध्यान में रखने की जरूरत है कि राष्ट्रीय शिक्षा नीति भाषाओं को एक-दूसरे की किसी प्रतिद्वं?द्विता में नहीं रखती, न वह उन्हें बांधती या रोकती ही है। वह उन्हें अपने विकास के लिए मुक्त करती है। राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 में एक ऐसे राष्ट्र की कल्पना की गई है, जहां बहुभाषावाद का न केवल स्वागत किया जाएगा, बल्कि सीखने की क्षमता को बढ़ाने के लिए इसका लाभ उठाया जाएगा। राष्ट्रीय शिक्षा नीति एक सकारात्मक दृष्टिकोण के साथ सहज, स्वाभाविक और नैसर्गिक प्रक्रिया के तहत दूसरी भाषाएं भी सीखने-सिखाने की सुविधा देती है।भारत एक बहुभाषी राष्ट्र है। संविधान की आठवीं अनुसूची में अभिलिखित 22 भाषाओं के अतिरिक्त कई अन्य भाषाएं भी हैं। भारत सरकार ने राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 में भारत की अनेकानेक मातृभाषाओं में स्कूली शिक्षा का जो विकल्प दिया है, उसे पूरा करने की दृष्टि से केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान द्वारा हाल में जारी किए गए भारतीय भाषाओं में प्राइमर और तेरह भाषाओं में विशेष मॉड्यूल बेहद उपयोगी होंगे। अब तक 13 भाषाओं में प्राइमर तैयार किए जा चुके हैं, जिनमें कश्मीरी (फारसी-अरबी), सिंधी (देवनागरी), सिंधी (फारसी-अरबी), कश्मीरी (देवनागरी), बाल्टी, संताली, जेमी, उर्दू, संगतम, लाई (पावी), गोंडी-तेलुगू, भीली (वागड़ी) और चोकरी शामिल हैं। कुल प्राइमर की संख्या 117 हो गई है। भारतीय भाषाओं में ये प्राइमर केंद्रीय भारतीय भाषा संस्थान (सीआईआईएल) और राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद (एनसीईआरटी) द्वारा विकसित किए गए हैं।

कोलंबिया- राष्ट्रपति उम्मीदवार को नाबालिग ने सिर में गोली मारी

सर्जरी का पहला फेज पूरा; अगले कुछ घंटे अहम; चुनावी रैली को संबोधित कर रहे थे

एजेंसी

बोगोटा, साउथ अमेरिकी देश कोलंबिया में राष्ट्रपति उम्मीदवार मिगुएल उरीबे को चुनाव प्रचार के दौरान गोली मार दी गई। अस्पताल में उनका इलाज चल रहा है। द गार्डियन के मुताबिक पहले फेज की सर्जरी की पूरी हो गई है। हालत नाजुक बनी हुई है, अगले कुछ घंटे बेहद अहम हैं। घटना स्थानीय समयानुसार शनिवार शाम की है। स्थानीय मीडिया के मुताबिक उरीबे को तीन गोलियां लगी है, इनमें से एक गोली के उनके सिर में लगने की खबर है। उरीबे राजधानी बोगोटा में एक रैली को संबोधित कर रहे थे। कोलंबिया में 2026 में राष्ट्रपति चुनाव होने हैं। मिगुएल उरीबे राष्ट्रपति पद के प्रमुख दावेदार माने जा रहे हैं। 39 वर्षीय उरीबे विपक्षी सेंट्रो डेमोक्रेटिको कंजर्वेटिव पार्टी के सदस्य हैं। पार्टी ने बयान जारी कर बताया कि उरीबे को संबोधन के दौरान हमलावर ने पीठ में गोली मारी। बोगोटा के मेयर कार्लोस गलान ने

बताया कि यह हमला शहर के फोंतिबोन इलाके में हुआ। उरीबे की हालत को देखते हुए पूरे शहर के अस्पतालों को अलर्ट पर रखा गया है पुलिस ने 15 साल के आरोपी हमलावर को मौके से गिरफ्तार कर लिया है। उरीबे कोलंबिया की मशहूर पत्रकार डायना टर्बे के बेटे हैं। डायना को 1991 में ड्रग माफिया पाब्लो एस्कोबार के मेडेलिन कार्टेल ने बोगोटा में अगवा कर लिया था। डायना उस दौर की एक बड़ी पत्रकार थीं, जो ड्रग तस्करी और संगठित अपराध के खिलाफ लगातार लिख रही थीं। बचाव अभियान के दौरान उनकी जान चली गई थी। मिगुएल उरीबे का रिश्ता बचपन से राजनीति से रहा है। वे पूर्व राष्ट्रपति जूलियो सीजर टर्बे के पोते हैं। जूलियो सीजर टर्बे 1978 से 1982 तक कोलंबिया के 25वें राष्ट्रपति रहे। वह कोलंबियाई लिबरल पार्टी के एक प्रमुख नेता थे। उनकी राजनीतिक विचारधारा लिबरल थी और वे सामाजिक सुधारों के पक्षधर थे, लेकिन उनकी रुढ़िगत नीतियों ने उन्हें विवादास्पद बनाया। अमेरिका में पिछले साल 13 जुलाई को तत्कालीन राष्ट्रपति उम्मीदवार डोनाल्ड ट्रम्प पर पेंसिलवेनिया के बटलर शहर में एक चुनावी रैली के दौरान जानलेवा हमला हुआ था। उस दौरान एक 20 साल के हमलावर ने 400 फीट दूर से 8 राउंड फायर किए थे।। इनमें से एक गोली ट्रम्प के दाहिने कान को चीरते हुए निकल गई थी। ट्रम्प का चेहरा खून से सन गया था। आरोपी को सीक्रेट सर्विस के एजेंट्स ने मौके पर ही ढेर कर दिया था। जापान के पूर्व प्रधानमंत्री शिंजो आबे की साल 2022 में गोली मारकर हत्या हुई थी इससे पहले जुलाई 2022 में जापान के पूर्व प्रधानमंत्री शिंजो आबे की गोली मारकर हत्या कर दी गई थी। आबे नारा शहर में इलेक्शन कैंपेन के दौरान स्पीच दे रहे थे।

42 साल के हमलावर ने पीछे से फायरिंग की। दो गोलियां लगने के फौरन बाद आबे गिर पड़े। उन्हें हेलिकॉप्टर से नारा मेडिकल यूनिवर्सिटी हॉस्पिटल ले जाया गया, जहां 6 घंटे बाद उनकी मौत हो गई थी।

कनाडा में पत्रकार पर खालिस्तानियों का हमला

कहा- हमलावरों ने फोन छीना, मारपीट की, जल्द ही वीडियो अपलोड करूंगा

एजेंसी

कनाडा, कनाडा में रविवार को खालिस्तानी समर्थकों ने एक पत्रकार मोचा बेजिरगन पर हमला कर दिया। मोचा ने न्यूज एजेंसी को बताया कि हमलावरों में एक शख्स शामिल था, जो पिछले एक साल से उनका पीछा कर रहा था और उसकी गतिविधियों पर ऑनलाइन निगरानी कर रहा था। मोचा ने बताया कि यह हमलावर ब्रिटेन का नागरिक है। साथ ही लंबे समय से मोचा को परेशान कर रहा था और उसके खिलाफ गंदी भाषा का भी इस्तेमाल कर रहा था। मोचा पिछले एक साल से कनाडा, अमेरिका, यूके और न्यूजीलैंड में खालिस्तानी प्रदर्शनों को

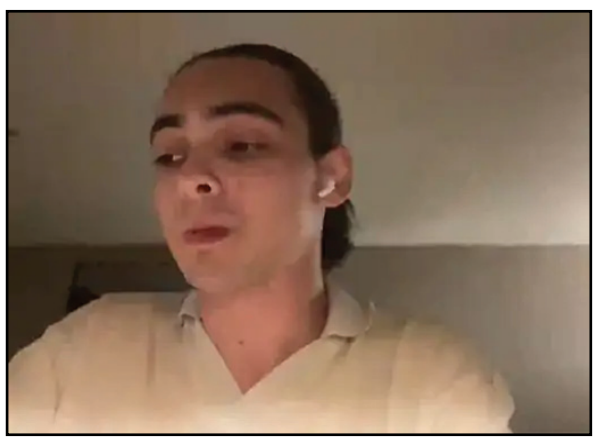

कवर कर रहे हैं। मोचा के मुताबिक उनकी रिपोर्टिंग से नाराज कुछ लोग उन्हें खरीदने और धमकाने की कोशिश करते हैं। मोचा ने कहा- कुछ लोग मेरी रिपोर्टिंग को बर्दाश्त नहीं कर पाते हैं। यह हमलावर कनाडा का नागरिक भी नहीं है, फिर भी मुझे धमका रहा है। उन्होंने बताया कि खालिस्तानी एक कार्यक्रम में उनके मारे गए लोगों को सम्मानित कर रहे थे। मोचा वहां इस कार्यक्रम को कवर कर रहे थे। तभी कुछ हमलावरों ने उनके साथ झड़प शुरू कर दी। मोचा ने बताया कि वह मेरे चेहरे के पास आ रहे थे। मैंने उसे दूरी बनाए रखने को कहा, लेकिन उसने नहीं माना। फिर दो-तीन और लोग मुझे घेरने लगे। इसके बाद मोचा ने घटना को अपने फोन में रिकॉर्ड करना शुरू किया। जिसके बाद कुछ हमलावर डरकर हट गए, लेकिन एक व्यक्ति ने उनका फोन छीन लिया और रिकॉर्डिंग रोक दी। पुलिस ने हमलावर को चेतावनी दी, लेकिन उसने परेशान करना जारी रखा। मोचा ने कहा- पुलिस बहुत नरमी बरतती है। मैंने पहले भी इस व्यक्ति के खिलाफ शिकायत दर्ज की थी, लेकिन कोई सख्त कार्रवाई नहीं हुई। उन्होंने बताया कि हमलावर ने पुलिस की चेतावनी के बाद भी उनका पीछा किया। मोचा ने कहा कि हमलावर अब ऑनलाइन उन्हें बदनाम करने की कोशिश कर रहे हैं। हमलावरों ने दावा किया कि वह मोचा से बस सवाल पूछ रहें थे। मोचा ने इसका खंडन करते हुए कहा- यह सवाल पूछने का तरीका नहीं है। मुझे धमकाया गया, मेरा फोन छीना गया और मुझे घेर लिया गया। यह कोई बातचीत नहीं थी। जल्द ही इस घटना का वीडियो अपने चैनल पर अपलोड करूंगा।

पाक रक्षा मंत्री बोले- भारत को जल युद्ध में हराएंगे

कहा – वह जानबूझकर चिनाब का पानी कंट्रोल कर रहा; सीक्रेट बातचीत से इनकार

एजेंसी

इस्लामाबाद, पाकिस्तान के रक्षा मंत्री ख्वाजा आसिफ ने गीदड़ भभकी देते हुए कहा है कि उनका देश भारत को वाटर वॉर में हराएगा। शनिवार को मीडिया से बात करते हुए आसिफ ने कहा- चिनाब नदी में जल प्रवाह सामान्य से काफी कम है, भारत जानबूझकर इसे कंट्रोल कर रहा है। आसिफ ने दावा किया कि भारत कन्वेंशनल (पारंपरिक) युद्ध में हार चुका है और अब हम उसे जल युद्ध में भी हराएंगे। उन्होंने उन अफवाहों को भी खारिज किया, जिसमें कहा गया था कि भारत और पाकिस्तान के बीच कोई सीक्रेट बातचीत चल रही है। पाकिस्तान की सिंधु नदी सिस्टम अथॉरिटी (आईआरएसए) ने एक

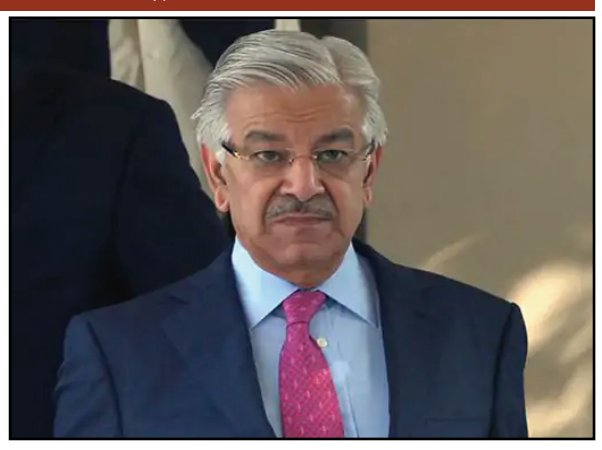

हफ्ते पहले अपनी रिपोर्ट में बताया था कि देश में सिंधु, झेलम और चिनाब नदी के प्रवाह में 21% की कमी आई है। खैबर पख्तूनख्वा राज्य में स्थित प्रमुख बांध मंगला और तरबेला में 50% से भी कम पानी बचा है। आईआरएसए के मुताबिक 2 जून 2025 को पंजाब में कुल पानी की उपलब्धता सिर्फ 1,28,800 क्यूसेक थी, जो पिछले साल के मुकाबले 14,800 क्यूसेक कम है। वहीं, पाकिस्तान सरकार के मुताबिक, 2 जून 2025 तक पंजाब प्रांत में सिंधु नदी सिस्टम में पानी की उपलब्धता पिछले साल के मुकाबले 10.3% कम हो गई है। अधिकारियों का कहना है कि सिंधु जल संधि स्थगित होने के बाद अब भारत, पाकिस्तान के साथ जल प्रवाह के आंकड़े शेयर नहीं करेगा। इससे बरसात के मौसम में बाढ़ मैनेजमेंट भी मुश्किल हो जाएगा। पाकिस्तान के ऊपर एक एंटी साइक्लोन बन गया है। इस वजह से कई इलाके भीषण गर्मी से जूझ रहे हैं। बलूचिस्तान के कई इलाकों में 16 घंटे बिजली कटौती हो रही है, इस वजह से गर्मी काटना मुश्किल हो गया है। अभी दक्षिण-पश्चिम मॉनसून को पाकिस्तान पहुंचने में 3 हफ्ते लगेंगे, ऐसे में आने वाले हफ्ते और ज्यादा मुश्किल भरे हो सकते हैं। पानी की कमी से जूझते पाकिस्तान ने भारत को सिंधु जल संधि को दोबारा बहाल करने की मांग की है। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक इस्लामाबाद ने भारत से इस फैसले पर फिर विचार करने के लिए 4 लेटर भेजे हैं। इनमें से एक ऑपरेशन सिंदूर के बाद भेजा गया। भारत ने यह संधि अप्रैल में जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकी हमले के बाद निलंबित कर दी थी, जिसमें 26 भारतीय पर्यटकों की मौत हुई थी। इसके बाद भारत ने ऑपरेशन सिंदूर चलाकर पाकिस्तान और पाक अधिकृत कश्मीर में आतंकियों के ठिकानों पर हमला किया।

भारत ने यह भी साफ कर दिया है कि जब तक पाकिस्तान आतंकवाद को पूरी तरह और भरोसे के साथ खत्म नहीं करता, तब तक यह संधि निलंबित ही रहेगी। भारत सरकार की कैबिनेट सुरक्षा समिति (सीसीएस) ने भी इस फैसले को मंजूरी दी है।

अमेरिका के लॉस एंजिल्स में हिंसक प्रदर्शन

पुलिस पर पटाखे-पत्थर फेंके, ट्रम्प ने 2000 नेशनल गाड्र्स भेजे; अवैध प्रवासियों पर कार्रवाई का विरोध

एजेंसी

लॉस एंजिल्स, अमेरिका के लॉस एंजिल्स में अवैध प्रवासियों पर कार्रवाई के विरोध में दो दिन से जारी प्रदर्शन हिंसक हो गया है। प्रदर्शनकारियों ने भारतीय समयानुसार रविवार सुबह पुलिस पर पत्थर और पटाखे चलाए। इसके अलावा प्रदर्शनकारियों ने सुरक्षा बलों और इमिग्रेशन एंड कस्टम्स इन्फोर्समेंट (आईसीई) पर आंसू गैस और पैट्रोल बम दागे। साथ ही हाथों में मेक्सिको का झंडा लेकर आईसीई लॉस एंजिल्स से बाहर

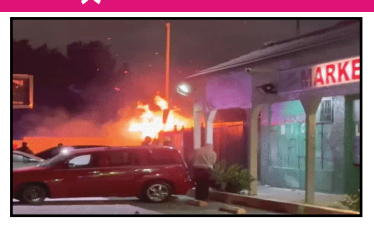

जाओ जैसे नारे भी लगाए। राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने हालात को काबू करने के लिए 2000 नेशनल गाड्र्स को भेजा है। लॉस एंजिल्स में 6-7 जून को सरकार ने अवैध अप्रवासियों के खिलाफ एक अभियान चलाया गया था। इसी का विरोध हो रहा है। अधिकारियों के मुताबिक, हर दिन करीब 1600 अवैध अप्रवासियों को पकड़ा जा रहा है। दरअसल, होमलैंड सिक्योरिटी विभाग ने दावा किया कि एक हजार प्रदर्शनकारियों ने एक संघीय भवन को घेरकर कउए अधिकारियों पर हमला किया। कैलिफोर्निया के गवर्नर न्यूसम ने राज्य में नेशनल गाड्र्स की तैनाती को जानबूझकर भड़काने वाला कदम बताया। लॉस एंजिल्स की मेयर करेन बास ने भी इमिग्रेशन डिपार्टमेंट के छापों की निंदा की। उन्होंने कहा, ये रणनीतियां हमारी कम्युनिटी में डर पैदा करती हैं और शहर की सुरक्षा को खतरे में डालती हैं। राष्ट्रपति ट्रम्प के नेशनल गार्ड की तारीफ करने पर शहर की मेयर कैरेन बॉस ने कहा कि अभी तक लॉस एंजिल्स में नेशनल गार्ड की तैनाती नहीं हुई है। वे अभी यहां पहुंचे भी नहीं है। वहीं, कैलिफोर्निया में ट्रम्प प्रशासन के कानून प्रवर्तन अधिकारी ने अगले 24 घंटे में नेशनल गाड्र्स के लॉस एंजिल्स में पहुंचने की बात कही है। ट्रम्प ने अवैध प्रवासियों को रिकॉर्ड संख्या में निर्वासित करने और अमेरिका-मेक्सिको सीमा बंद करने का वादा किया है।

कर्नाटक भाजपा ने विरोध प्रदर्शन, सीएम और उपमुख्यमंत्री का मांगा इस्तीफा

एजेंसी

भाजपा नेताओं ने राज्य सरकार पर लापरवाही का आरोप लगाते हुए आक्रोश व्यक्त किया, जिसने सीधे तौर पर इस त्रासदी में योगदान दिया। प्रदर्शनकारियों ने सिद्धारमैया और शिवकुमार दोनों को मौतों के लिए जिम्मेदार ठहराते हुए उनके खिलाफ कानूनी कार्रवाई की मांग की।

कर्नाटक के भाजपा विधायकों और सांसदों ने रविवार को विधान सौध में महात्मा गांधी की प्रतिमा के सामने विरोध प्रदर्शन किया और 4 जून को बेंगलुरु में हुई भगदड़ को लेकर मुख्यमंत्री सिद्धारमैया और उपमुख्यमंत्री डीके शिवकुमार के इस्तीफे की मांग की। इस दुखद घटना में 11 लोगों की मौत हो गई और 56 अन्य घायल हो गए। विरोध प्रदर्शन का नेतृत्व कर्नाटक विधानसभा और विधान परिषद में विपक्ष के नेता आर. अशोक और भाजपा नेता चालावाड़ी नारायणसामी ने किया। भाजपा नेताओं ने राज्य सरकार पर लापरवाही का आरोप लगाते हुए आक्रोश व्यक्त किया, जिसने सीधे तौर पर इस त्रासदी में योगदान दिया। प्रदर्शनकारियों ने सिद्धारमैया और शिवकुमार दोनों को मौतों के लिए जिम्मेदार ठहराते हुए उनके खिलाफ कानूनी कार्रवाई की मांग की। प्रदर्शनकारियों ने हाथों में तख्तियां लेकर और नारे लगाते हुए पीड़ितों के लिए न्याय की मांग की। सबसे तीव्र नारों में सीएम और डिप्टी सीएम को पद से हटाने की मांग शामिल थी, कुछ प्रदर्शनकारियों ने घटना में उनकी भूमिका के लिए उन्हें ह्लहत्याराह्व करार दिया। यह भगदड़ 4 जून की शाम को चिन्नास्वामी स्टेडियम के बाहर हुई, जहाँ इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) में रॉयल चैलेंजर्स बैंगलोर (आरसीबी) टीम की जीत का जश्न मनाने के लिए बड़ी भीड़ जमा हुई थी। पुलिस की चेतावनी और अनुमति न मिलने के बावजूद, कार्यक्रम जारी रहा, जिससे भीड़ के एक संकीर्ण क्षेत्र में बढ़ने से अराजकता फैल गई। भगदड़ में मरने वालों की संख्या 11 हो गई, जबकि 56 अन्य घायल हो गए। विरोध प्रदर्शन के दौरान बोलते हुए अशोक ने सरकार पर जोखिम के बावजूद कार्यक्रम को आगे बढ़ाने की अनुमति देने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा, ₹यह एक सरकार द्वारा प्रायोजित हत्या है,₹ उन्होंने दावा किया कि जश्न मनाने की अनुमति देने का सरकार का फैसला मानव जीवन के प्रति घोर उपेक्षा है। भाजपा नेताओं द्वारा उठाए गए प्रमुख मुद्दों में से एक जश्न का समय था। अशोक ने तर्क दिया कि पहली मौतें होने के बाद भी जीत का जश्न जारी रहा। उनके अनुसार, पहली मौत दोपहर 3:15 बजे के आसपास हुई,

राजस्थान में फिर सुलग रही गुर्जर आंदोलन की आग

हिंडौन-बयाना स्टेट हाईवे के पास हो रही महापंचायत में आरक्षण संघर्ष समिति के अध्यक्ष विजय बैंसला के नेतृत्व में गुर्जरों के लिए आरक्षण समेत विभिन्न मांगों पर चर्चा की जा रही है। हालांकि महापंचायत को सरकार के मसौदे को सुनने के बाद समाप्त कर दिया गया।

पटरी पर दौड़े लोग, दिल्ली-मुंबई रूट जाम

एजेंसी

राजस्थान में एक बार फिर से गुर्जर आंदोलन की राह पर हैं। भरतपुर जिले के पीलूपुरा गांव में आज को गुर्जर समुदाय की महापंचायत हो रही है, जहां पिछले दो दशकों में समुदाय अक्सर बड़े आंदोलन करता रहा है। हिंडौन-बयाना स्टेट हाईवे के पास हो रही महापंचायत में आरक्षण संघर्ष समिति के अध्यक्ष विजय बैंसला के नेतृत्व में गुर्जरों के लिए आरक्षण समेत विभिन्न मांगों पर चर्चा की जा रही है। हालांकि महापंचायत को सरकार के मसौदे को सुनने के बाद समाप्?त कर दिया गया। लेकिन युवाओं ने कहा कि वे सरकार के फैसले से संतुष्ट नहीं हैं

और आंदोलन जारी रखना चाहते हैं। आरक्षण के मुद्दे पर भरतपुर में गुर्जर समुदाय के लोगों ने विरोध प्रदर्शन किया और रेलवे ट्रैक को अवरुद्ध कर दिया। विजय बैंसला वरिष्ठ गुर्जर नेता कर्नल केएस बैंसला के पुत्र हैं, जिन्होंने चार साल पहले अपनी मृत्यु तक समुदाय के आंदोलन का नेतृत्व किया था। गुर्जर समुदाय ने सरकार को रविवार दोपहर एक बजे तक का अल्टीमेटम दिया था। बयाना के पीलूपुरा-कारवाड़ी इलाके में गुर्जर समुदाय के लोगों की भीड़ जुटनी शुरू हो गई है। गुर्जर आरक्षण संघर्ष समिति के राष्ट्रीय संयोजक विजय बैंसला ने कहा, ₹हमें अधूरे अधिकार मिले हैं। हमें उन्हें पूरी तरह से हासिल करना है। इसके लिए पीलूपुरा में गुर्जर समुदाय की यह महापंचायत बुलाई गई है।₹ विजय बैंसला ने कहा कि समुदाय कोई बातचीत नहीं करेगा। उन्होंने कहा कि सरकार को मांगों का पत्र दिया गया है। महापंचायत में सरकार मसौदा मांगेगी। सरकार की ओर से जो भी संदेश आएगा, उस पर सभा में चर्चा की जाएगी। विजय बैंसला ने कहा कि अब हम सरकार से बातचीत के लिए नहीं जाएंगे। सरकार को किसी सक्षम आईएएस अधिकारी के साथ पत्र भेजना चाहिए। अगर पत्र भेजा जाता है तो महापंचायत में समाज के सामने उसे पढ़कर सुनाया जाएगा। इसके बाद समाज जो भी कहेगा, उस पर मौके पर निर्णय लिया जाएगा। दूसरी ओर, भजनलाल सरकार में गृह राज्य मंत्री जवाहर बेढम कहते हैं, ₹जब सरकार बातचीत के लिए तैयार है, तो फिर महापंचायत क्यों?₹ गुर्जरों के विरोध प्रदर्शन के कारण, करौली से भरतपुर जाने वाले लोगों के लिए बयाना-हिंडौन स्टेट हाईवे की बजाय हिंडौन-कलसाडा-भुसावर से यातायात को डायवर्ट किया गया है।

यूट्यूबर मनीष कश्यप ने भाजपा छोड़ी, कहा कि वह 'बिहार और बिहारियों के लिए लड़ना चाहते हैं'

लोकप्रिय यूट्यूबर मनीष कश्यप ने फेसबुक लाइव सेशन के दौरान अपने फैसले की घोषणा करते हुए भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) से आधिकारिक रूप से इस्तीफा दे दिया है। एक भावुक संबोधन में, कश्यप ने घोषणा की कि वह अब पार्टी के सक्रिय सदस्य नहीं हैं।

एजेंसी

लोकप्रिय यूट्यूबर मनीष कश्यप ने फेसबुक लाइव सेशन के दौरान अपने फैसले की घोषणा करते हुए भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) से आधिकारिक रूप से इस्तीफा दे दिया है। एक भावुक संबोधन में, कश्यप ने घोषणा की कि वह अब पार्टी के सक्रिय सदस्य नहीं हैं। पिछले महीने, मनीष कश्यप को पटना मेडिकल कॉलेज और अस्पताल (पीएमसीएच) में कुछ जूनियर डॉक्टरों ने कथित तौर पर पीटा था। उन्होंने पार्टी छोड़ने के अपने कारणों को बताते हुए कहा, ₹मैं भाजपा में रहते हुए खुद की रक्षा नहीं कर सका। मैं दूसरों की मदद कैसे कर सकता हूँ?₹ कश्यप ने पार्टी द्वारा निराश महसूस करने का संकेत दिया और सुझाव दिया कि पार्टी के भीतर उनकी भूमिका अप्रभावी हो गई है। कश्यप ने अपनी राजनीतिक महत्वाकांक्षाओं के बारे में अटकलों के बीच 25 अप्रैल, 2024 को आधिकारिक रूप से भाजपा में शामिल हो गए थे। हालांकि, पार्टी के साथ उनका जुड़ाव अल्पकालिक प्रतीत होता है।

श्मशान, मंदिर और जलाशय पर हिन्दू समाज की सभी जातियों का समान अधिकार

कानपुर में संघ प्रमुख का बड़ा बयान

सामूहिक विचार और निर्माण के महत्व को समझाते हुए आरएसएस प्रमुख मोहन भागवत ने कहा कि संघ की दिशा सामूहिक विचार से तय होती है, संघ का काम एक या दो लोगों का काम नहीं है, संघ जो भी करता है और जो भी कहता है, वह सामूहिक निर्णय होता है।

एजेंसी

कानपुरः यूपी के कानपुर के नवाबगंज स्थित पं.दीनदयाल उपाध्याय सनातन धर्म विद्यालय में रविवार को आयोजित संघ शिक्षा वर्ग के कार्यक्रम को संघ प्रमुख मोहन भागवत ने स्वयंसेवकों को संबोधित किया. इस दौरान उन्होंने कहा शाखा क्षेत्र के प्रत्येक परिवार तक हमारा संपर्क होना चाहिए. संघ व्यक्ति के निर्माण का कार्य करता है. व्यक्ति निर्माण का मतलब है, परिवार के साथ समाज, राष्ट्र और संपूर्ण मानव जाति अर्थात विश्व के प्रति भी अपने दायित्व की अनुभूति. हम कहते हैं विश्व एक परिवार है. संघ जैसे-जैसे बड़ा हुआ है, वैसे-वैसे उनसे अपना दायरा बढ़ाकर अपने कार्यकताओं के माध्यम से समाज जीवन के विभिन्न क्षेत्रों में संघ की ओर से विस्तार भी किया है. उन्होंने कहा कि समाज के सहयोग से पूरे देश में लाखों सेवा कार्य जो किए गए हैं, वो इसकी बानगी हैं.मोहन भागवत ने अपने संबोधन में कहा कि मौजूदा समय में संघ अपने शताब्दी वर्ष में है और इस शताब्दी वर्ष में पांच परिवर्तन के आधार पर पूरा समाज एक बड़े परिवर्तन की

ओर जाने के लिए प्रयासरत है. ऐसा समाज जो राष्ट्र के प्रति अपने दायित्व के लिए जागरूक हो. ऐसा समाज जो पर्यावरण के अनुकूल अपनी जीवन शैली का निर्माण करें. ऐसा समाज जो जातिवाद की विषमता से मुक्त हो. साथ ही जहां पर मंदिर, जलाशय, श्मशान पर संपूर्ण समाज का समान अधिकार हो. संघ प्रमुख ने कहा कि इन सभी बातों को लेकर स्वयंसेवकों को बहुत अधिक गंभीर होना होगा. उन्हें हमेशा ये याद रखना होगा कि उन्हें आपस में किसी भी सूरत पर बंटना नहीं है. सभी को राष्ट्र निर्माण के लिए एकजुट होकर काम करना होगा. संघ के सर कार्यवाह दत्तात्रेय होसबाले जहां काफी दिनों से कानपुर में डेरा डाले हुए हैं, तो वहीं शनिवार शाम को संघ प्रमुख मोहन भागवत कानपुर पहुंच गए. शहर के चकेरी एयरपोर्ट में भारी सुरक्षा व्यवस्था के बीच वह सीधे वहां से पं.दीनदयाल उपाध्याय सनातन धर्म विद्यालय पहुंचे.

संक्षेप

दहेज के लिए पत्नी को ब्लैकमेल कर रहा पति

एक लाख रुपए मांगे, मना करने पर सोशल मीडिया पर डाली निजी तस्वीरें

सुल्तानपुर, एक महिला ने अपने पति पर दहेज उत्पीड़न और सोशल मीडिया पर निजी तस्वीरें वायरल करने का आरोप लगाया है। कादीपुर थाने में दर्ज शिकायत के अनुसार, डोमाशाहपुर निवासी लक्ष्मी की शादी मई 2022 को मझगवां के हरिकेश से हुई थी। शादी के समय लक्ष्मी के परिवार ने 30,000 रुपये नगद, दहेज और बाइक दी थी। दो साल बाद हरिकेश और उसके परिवार ने एक लाख रुपये की अतिरिक्त मांग शुरू कर दी। लक्ष्मी के मना करने पर उसे शारीरिक और मानसिक प्रताड़ना का सामना करना पड़ा। आरोप है कि हरिकेश ने अपनी पत्नी की निजी तस्वीरें बिना उसकी सहमति के सोशल मीडिया पर डाल दीं। वह अपनी फेसबुक आईडी 'हरिकेश बिंद' से लक्ष्मी और उसके भाई की तस्वीरें पोस्ट कर अभद्र टिप्पणियां करता है। साथ ही लक्ष्मी के भाई पर गंभीर आरोप भी लगाता है।

साइकिल से घर लौट रहे मजदूर की मौत

अज्ञात वाहन ने मारी टक्कर, चार बच्चों के सिर से उठा पिता का साया

सुलतानपुर, उत्तर प्रदेश के सुलतानपुर में एक दर्दनाक सड़क हादसे में 40 वर्षीय मजदूर की मौत हो गई। मृतक की पहचान कुड़वार थाना क्षेत्र के भंडरा गांव निवासी जगन्नाथ कोरी के रूप में हुई है। जगन्नाथ मजदूरी करने के बाद साइकिल से अपने घर लौट रहे थे। मुरलीनगर के पास एक अज्ञात वाहन ने उन्हें टक्कर मार दी। हादसे में वह गंभीर रूप से घायल हो गए। मौके पर मौजूद स्थानीय लोगों ने उन्हें तत्काल जिला मेडिकल कॉलेज पहुंचाया, जहां डॉक्टरों ने हालत नाजुक बताते हुए लखनऊ रेफर कर दिया। लखनऊ ले जाते समय रास्ते में ही उन्होंने दम तोड़ दिया। जगन्नाथ अपने पिता लल्लन कोरी का सबसे बड़ा बेटा था। परिवार में पत्नी के अलावा एक बेटा और तीन बेटियां हैं। सबसे बड़ी बेटी की उम्र 17 वर्ष है और अभी किसी की शादी नहीं हुई है। स्थानीय पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया है।

सराफा दुकान से जेवरात छीनकर भागे

सुल्तानपुर में महिला समेत दो पकड़े गए, स्थानीय लोगों ने की पिटाई

सुलतानपुर, नगर कोतवाली क्षेत्र के चौक क्षेत्र में जेवरात छीनने का मामला प्रकाश में आया है। एक पुरुष और दो महिलाएं सराफा दुकान में घुसकर जेवरात छीनकर भागने लगे। जिस पर मोहल्ले वालों ने दौड़ाकर महिला समेत दो को पकड़ लिया। लोगों ने पकड़े गए पुरुष की जमकर पिटाई किया और पुलिस के हवाले कर दिया है। स्थित भारद्वाज बरनवाल सर्राफ की दुकान का है। जहां रविवार को जेवर खरीदने के बहाने एक पुरुष और दो महिलाएं दुकान में घुस आए। ग्राहक बनकर आए इन लोगों ने सराफा व्यवसाई को जेवर दिखाने को कहा।

मानसून से पहले नाला सफाई कार्य पूरा करने पर जोर

प्रयागराज नगर निगम अभियान चलाकर मानसून आने से पहले पूरी करेगा नाला की सफाई

भारत संवाद न्यूज नेटवर्क

प्रयागराज, बारिश के दिनों में प्रयागराज में जल जमाव की समस्या लगातार बनी रहती है। इसको देखते हुए इस बार नगर निगम की तरफ से मानसून आने के पहले ही शहर के सभी नालों की सफाई के लिए अभियान चलाया जा रहा है। जिससे बारिश के दौरान सड़क पर जल जमाव को रोका जा सके। इसमें रोबोट का इस्तमाल नगर निगम की तरफ से किया जा सके। जिससे सफाई कर्मियों को किसी प्रकार की दिक्कत ना हो सके। नालों की सफाई के दौरान निकलने वाली सिल्ट यानी गंदगी अक्सर निगम के कर्मचारी कई दिनों तक सड़क पर ही छोड़ देते हैं। जिससे वह सूख सके और उसके बाद उसे उठाते हैं। इस दौरान सड़क पर बड़ी सिल्ट आधे से अधिक उड़कर नाले में वापस चली जाती है। जिससे नाले के जाम होने की दिक्कत आती है। साथ ही सड़क से गुजरने वाले लोगों को भी दुर्गंध का सामना करना पड़ता है। इसको देखते हुए महापौर ने निर्देश दिया है कि नालों की सफाई के दौरान निकलने वाली गंदगी को 12 घंटे के अंदर सड़क से उठा लें। जिससे लोगों को दिक्कतों का सामना नहीं करना पड़े। इस बारे में महापौर गणेश केसरवानी ने बताया कि शहरियों को किसी भी प्रकार की दिक्कत ना हो। इसका विशेष ध्यान दिया जा रहा है। बारिश के दिनों में सड़कों पर होने वाले जल जमाव को रोकने के लिए नगर निगम की तरफ से सभी प्रकार के प्रयास किए जा रहे हैं। नाला सफाई अभियान भी इसका अहम हिस्सा है।

शादी के नाम पर ठगी करने वाला गिरोह पकड़ा

प्रयागराज में 7 आरोपी गिरफ्तार, फर्जी दस्तावेज और नकदी बरामद

भारत संवाद न्यूज नेटवर्क

प्रयागराज, पुलिस ने शादी के नाम पर ठगी करने वाले गिरोह का भंडाफोड़ किया है। पुलिस ने चार महिलाओं और तीन पुरुषों को गिरफ्तार किया है। आरोपी फर्जी विवाह रचाकर गहने, नकदी और दहेज की ठगी करते थे। राजस्थान के अलवर जिले के डोबा गांव निवासी गोपाल गुर्जर की शिकायत पर मामला दर्ज किया गया। खुल्दाबाद पुलिस ने तीन टीमें बनाईं। टीमों में महिला उपनिरीक्षकों को भी शामिल किया गया। छह फर्जी आधार कार्ड और 35 हजार रुपए नकद मिले पुलिस ने सबसे पहले शहाना नामक महिला को पकड़ा। उसकी निशानदेही पर अन्य छह आरोपियों को गिरफ्तार किया गया। आरोपियों से छह फर्जी आधार कार्ड, 35 हजार रुपये नकद और कई दस्तावेज बरामद हुए हैं। गिरोह का तरीका था कि महिलाएं दुल्हन बनकर शादी करतीं। शादी के बाद मौका देखकर गहने और नकदी लेकर फरार हो जातीं। गिरोह फर्जी रिश्तेदार बनाकर लोगों को शादी के लिए राजी करता था। सात में से छह आरोपी प्रयागराज के और एक राजस्थान का रहने वाला है।

पुलिस अब इनके पिछले अपराधों की जांच कर रही है।

कार ने बाइक को मारी टक्कर

तीन लोग गंभीर घायल, कार चालक हिरासत में

भारत संवाद न्यूज नेटवर्क

अमेठी जिला, भाले सुल्तान शहीद स्मारक थाना क्षेत्र में एक तेज रफ्तार कार ने बाइक को टक्कर मार दी। हादसा रानीगंज एसडीएस स्कूल के सामने दोपहर करीब 2 बजे हुआ। बाइक पर सवार तीन लोग घायल हुए हैं। इनमें 55 वर्षीय राम रक्षा मिश्रा, उनके 40 वर्षीय भतीजे विनय मिश्रा और विनय के 7 वर्षीय बेटे संदीप शामिल हैं। स्थानीय लोगों ने पुलिस को सूचना दी।

भाले सुल्तान पुलिस ने मौके पर पहुंचकर एंबुलेंस की मदद से तीनों घायलों को अस्पताल पहुंचाया। वहां उनका इलाज जारी है। पुलिस ने हादसे के बाद भागने की कोशिश कर रहे कार चालक को वाहन समेत हिरासत में ले लिया है। थाना प्रभारी तनुजपाल के अनुसार मामले में कानूनी कार्रवाई की जा रही है।

गोवंश की तस्करी और हत्या का आरोपी गिरफ्तार

सौहार्द बिगाड़ने की रची थी साजिश, पुलिस ने बरामद किया तमंचा-कारतूस और बाइक

भारत संवाद न्यूज नेटवर्क

सुलतानपुर, पुलिस ने बकरीद के मौके पर एक बड़ी कार्रवाई में गोवंश तस्करी के आरोपी को गिरफ्तार किया है। अखंडनगर पुलिस ने मुखबिर की सूचना पर कमिया बहाउद्दीनपुर में नहर पुलिया के पास से आरोपी तैय्यब को पकड़ा। आरोपी के पास से तमंचा, जिंदा कारतूस और एक बाइक बरामद की गई। एसपी कुंवर अनुपम सिंह के निर्देश पर चलाए गए विशेष अभियान में यह कार्रवाई की गई। 7-8 जून की रात को अपराधियों ने दो गोवंशीय पशुओं की हत्या कर उन्हें कमिया बहाउद्दीनपुर नहर के पास मिसिरपुर ढेकहा सड़क किनारे छिपा दिया था। इस मामले में पुलिस ने केस दर्ज कर जांच शुरू की। पूछताछ में पता चला कि आरोपी तैय्यब, जो रामनगर थाना अखंडनगर का रहने वाला है, आवारा गोवंशीय पशुओं का वध कर उनके मांस, खाल और हड्डियों की बिक्री करता था। वह गोवंश तस्करी के कई मामलों में वांछित था। पुलिस ने आरोपी को न्यायिक हिरासत के लिए कोर्ट में पेश किया है। इस कार्रवाई में प्रभारी निरीक्षक महेंद्र प्रताप सिंह के नेतृत्व में उपनिरीक्षक रामराज, हैदर अली समेत सात पुलिसकर्मियों की टीम शामिल थी।

यह कार्रवाई अपर पुलिस अधीक्षक और क्षेत्राधिकारी कादीपुर के मार्गदर्शन में की गई।

जमीनी विवाद में महिला ने चौकी में किया बवाल

चौकी प्रभारी से की अभद्रता, शांति भंग में हुआ चालान

भारत संवाद न्यूज नेटवर्क

अमेठी जिला, मुंशीगंज थाना क्षेत्र में जमीनी विवाद को लेकर एक महिला ने शाहगढ़ चौकी में हंगामा कर दिया। पलिया गांव की रहने वाली सुमित्रा पाल का पड़ोसी राम सुंदर पाल से जमीनी विवाद चल रहा है। इस मामले का मुकदमा न्यायालय में विचाराधीन है। सुबह दोनों पक्ष चौकी पहुंचे। पुलिसकर्मियों ने दोनों को समझाया कि यह राजस्व का मामला है। इस दौरान सुमित्रा पाल अचानक उग्र हो गईं। चौकी प्रभारी राज कुमार यादव ने जब उन्हें शांत करने की कोशिश की, तो वह उनसे भी उलझ गईं। इस बीच किसी ने चौकी में हुई पूरी घटना का वीडियो बना लिया। यह वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो गया। पुलिस ने दोनों पक्षों को चौकी में बैठा लिया है।

महिला थाना की पहल

पति-पत्नी के बीच विवाद सुलझा, दोनों साथ रहने को राजी

भारत संवाद न्यूज नेटवर्क

अमेठी, महिला थाना पुलिस ने एक पति-पत्नी के बीच चल रहे विवाद को सुलझाने में सफलता हासिल की है। मिशन शक्ति अभियान के तहत महिला थाना प्रभारी निरीक्षक कंचन सिंह और उनकी टीम ने इस मामले में हस्तक्षेप किया। पुलिस टीम ने दंपति की शिकायतों को सुना और उनकी समस्याओं पर विस्तार से चर्चा की। दोनों पक्षों से बातचीत के बाद पुलिस ने उन्हें समझाया-बुझाया। इस पहल का सकारात्मक नतीजा सामने आया और दंपति साथ रहने के लिए राजी हो गए। वैवाहिक जोड़ा खुशी-खुशी अपने घर लौटा और अमेठी पुलिस का आभार व्यक्त किया। पुलिस ने भी दंपति को उनके भविष्य के लिए शुभकामनाएं दीं। यह कार्रवाई नारी सुरक्षा, नारी सम्मान और नारी स्वावलंबन को बढ़ावा देने वाले मिशन शक्ति अभियान का हिस्सा है।

श्रद्धालुओं की भीड़, जूते-चप्पलों से भरी गलियां

संत प्रेमानंद ने स्थगित की पदयात्रा, शिष्य बोले-आप लोग घर जाएं, भगदड़ मच सकती है

भारत संवाद न्यूज नेटवर्क

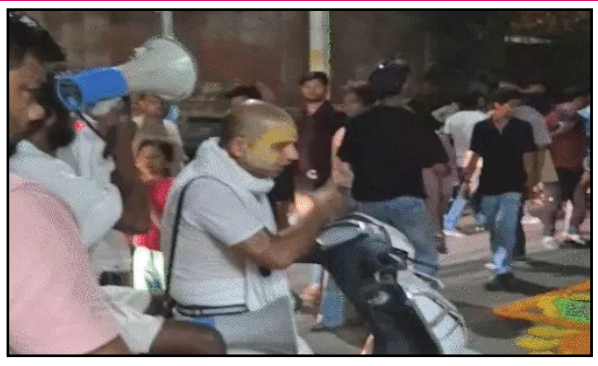

मथुरा, 8 लाख से अधिक श्रद्धालु पहुंचे। निर्जला एकादशी और वीकेंड पर बांके बिहारी मंदिर में दर्शन के लिए श्रद्धालुओं की 2डट लंबी लाइन लग गई। मंदिर के बाहर लाखों जूते-चप्पलों का ढेर लग गया। गलियां ब्लॉक हो गईं। भीड़ का अंदाजा इसी से लगाया जा सकता है कि कोई भी श्रद्धालु अपने जूते-चप्पल तक नहीं पहुंच सका। जूते-चप्पलों को ठेले पर लादकर हटाना पड़ा। भीड़ को देखते हुए संत प्रेमानंद महाराज ने अपनी पदयात्रा स्थगित कर दी। आश्रम के सेवादार रात 2 बजे माइक लेकर सड़कों पर उतरे। एलाउंस किया कि आज महाराज जी पदयात्रा नहीं करेंगे, आप अपने घर चले जाएं, यहां भगदड़ मच सकती है। सूचना मिलते ही सड़क पर खड़े भक्त निराश हो गए। कश्मीर सहित कई राज्यों से पहुंचे भक्त बिना दर्शन के ही लौट गए। भीड़ को नियंत्रित करने में पुलिस के पसीने छूट गए। प्रेमानंद महाराज की पदयात्रा स्थगित होने के बाद यूपी के अलावा कई राज्यों से आए भक्त बिना दर्शन के निराश होकर लौट गए। सड़क पर रंगोली सजाई गई थी, लोग भजन गा रहे थे। इसी बीच केली कुंज आश्रम के सेवादार आए। सेवादारों ने कहा- प्रेमानंद महाराज ने आज के लिए पदयात्रा स्थगित कर दी है। ऐसा अधिक भीड़ होने पर किया गया है। भगदड़ मच सकती है। आप लोग अपने घर लौट जाइए। जम्मू की रहने वाली जिया शनिवार को प्रेमानंद महाराज के पदयात्रा के दौरान होने वाले दर्शन के लिए पहुंची थीं। उन्होंने कहा कि रात में पता चला कि महाराज जी ने यात्रा स्थगित कर दी है। अब वापस जा रही हूं।

फिर दर्शन करने आएंगे। इस बार शायद भगवान नहीं चाहते थे कि मैं महाराज के दर्शन करूं। सबसे बुरा हाल वृंदावन के रमणरेती पुलिस चौकी चौराहा का था।

यहां परिक्रमा देने के लिए आए भक्त ई-रिक्शा, ई कार्ट और अन्य वाहनों के कारण फंस गए। चौराहे पर इतनी भीड़ लग गई कि लोगों को सांस लेने में भी दिक्कत होने लगी। पुलिस चौकी के सामने भी भारी भीड़ थी। यहां से लोगों को निकलने में खासी दिक्कतों का सामना करना पड़ा।

बेटी के घर जा रहे दंपत्ति और पोते की मौत

अलीगढ़ में तेज रफ्तार कैंटर ने बाइक को मारी टक्कर, ड्राइवर फरार

भारत संवाद न्यूज नेटवर्क

अलीगढ़, एक दर्दनाक सड़क हादसे में एक दंपत्ति और उनके पोते की मौत हो गई। थाना इगलास के गांव भरतपुर निवासी राजपाल सिंह (52), उनकी पत्नी मीरा देवी (48) और पोता युवराज (10) रविवार को भरतपुर (राजस्थान) जा रहे थे। गोरई थाना क्षेत्र के अलीगढ़-मथुरा बॉर्डर पर सामने से आ रहे कैंटर ने उनकी बाइक को टक्कर मार दी। स्थानीय लोगों ने तुरंत पुलिस को सूचना दी। पुलिस ने तीनों को अस्पताल पहुंचाया। डॉक्टरों ने परीक्षण के बाद तीनों को मृत घोषित कर दिया। कैंटर चालक मौके से फरार हो गया। घटना की सूचना मिलते ही गांव में मातम छा गया। परिवार के लोग रो-रोकर बेहाल हैं। कई महिलाएं सदमे में बेहोश हो गईं। पुलिस ने पंचनामा और पोस्टमार्टम की कार्रवाई शुरू कर दी है। थाना अध्यक्ष के अनुसार, घटनास्थल के आसपास लगे सीसीटीवी कैमरे की फुटेज खंगाली जा रही है। आरोपी कैंटर चालक अलीगढ़ की तरफ भागा है। परिजनों की शिकायत पर मुकदमा दर्ज कर लिया गया है। पुलिस जल्द ही आरोपी को गिरफ्तार करने का प्रयास कर रही है।

प्रॉपर्टी कंपनी के निदेशक दंपति ने की धोखाधड़ी

लखनऊ में प्लॉट और मासिक लाभ का लालच दिया, दो लोगों से 96 लाख रुपए ठगे

भारत संवाद न्यूज नेटवर्क

सुलतानपुर, ईलाइट विवान प्राइवेट लिमिटेड कंपनी के निदेशक दंपति पर धोखाधड़ी का मामला दर्ज किया गया है। कंपनी की डायरेक्टर मोनिका यादव और उनके पति देवेश कुमार यादव ने दो लोगों से 96.66 लाख रुपए की ठगी की है। शांति मिश्रा से आरोपी दंपति ने लखनऊ में जमीन दिलाने का वादा करके 25.41 लाख रुपए लिए। शांति ने तीन अलग-अलग बैंक खातों से पैसे ट्रांसफर किए। ये खाते बैंक ऑफ बड़ौदा शाखा डिहवा सुल्तानपुर, बड़ौदा यूपी बैंक शाखा कानपुर नगर पनकी और यूको बैंक शाखा कानपुर में हैं। विवेकानंद नगर, सुल्तानपुर की एक महिला से 71.25 लाख रुपए की ठगी की गई।

किसान जागरूकता कार्यक्रम में मिनी बीज किट का वितरण

जगदीशपुर में विधायक ने किसानों को दी वैज्ञानिक खेती की जानकारी

भारत संवाद न्यूज नेटवर्क

अमेठी जिला, जगदीशपुर के राष्ट्रीय कृषि बीज भंडार परिसर, ग्राम मंगौली के बूबापुर में विकसित कृषि संकल्प अभियान के तहत रविवार को किसान जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन हुआ। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि विधायक सुरेश पासी ने किसानों को मिनी बीज किट वितरित की। विधायक पासी ने किसानों को वैज्ञानिक तरीके अपनाकर कृषि उत्पादन बढ़ाने का सुझाव दिया। कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य किसानों को नई तकनीकों और सरकारी योजनाओं से अवगत कराना था। कार्यक्रम में जिला कृषि अधिकारी राजेश यादव और पशु चिकित्सा अधिकारी डॉ. अनुज कुमार मौजूद रहे। उद्यान निरीक्षक संजय यादव, भूमि संरक्षण तकनीकी विशेषज्ञ डॉ. नवनीत और सहायक डॉक्टर अमर सिंह ने भी कार्यक्रम में हिस्सा लिया। कृषि विज्ञान केंद्र कठौरा से डॉ. अर्चना और डॉ. नवनीत, ब्लॉक टेक्नोलॉजी मैनेजर देवमणि त्रिपाठी भी उपस्थित थे। ग्राम प्रधान प्रतिनिधि अतुल तिवारी, प्रगतिशील किसान राघवेंद्र बाजपेई, अनंत सिंह, अजीत सिंह, डॉ. जयकुमार पांडे और राधेश्याम सहित सैकड़ों किसानों ने कार्यक्रम में भाग लिया।

स्वामी, प्रकाशक , मुद्रक अरविंद कुमार शर्मा द्वारा एफ एल टी , एलजी 75 आर एम 4/4 इंदिरा नगर, सुंदर बाग, कुर्ला (प) मुंबई 400070 महाराष्ट्र से प्रकाशित एवं AIS PRINTING SOLUTION प्लांट नं० -A-544 TTC इंडस्ट्रियल एरिया एम आई डीसी माहपे नवी मुंबई , ठाणे 400709 से मुद्रित। संपादक - अरविंद कुमार शर्मा

EMail-bsmumbai2017@gmail.com किसी भी विवाद का न्याय क्षेत्र मुम्बई न्यायालय ही होगा। 8097049935,9935750291 RNI No-MAHHIN2017/74173

संपर्क का कार्यालय- 66/68 भाखरिया बिल्डिंग मीना मेहता मार्ग मोदी स्ट्रीट मुम्बई 400001

संरक्षक- डॉ राम किशोर शर्मा पूर्व विभागाध्यक्ष (हिन्दी) इलाहाबाद विश्व विद्यालय, विशेष संवाददाता- आशीष कुमार शर्मा सह, सम्पादक- माता प्रसाद शर्मा, फिल्म- संपादक-जगन्नाथ तिवारी